दैनिक

सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

K ✌ K

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-22 अंक-73 सीहोर, शनिवार 03 मई 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सुप्रीम कोर्ट ने किया अर्जेंट सुनवाई से इनकार, कहा- क्या कोर्ट केवल अमीरों के लिए रह गई?

नई दिल्ली,(ए)। गुजरात की एक रीयल एस्टेट और प्राइवेट रिजोर्ट मैनेजमेंट कंपनी की अर्जेंट सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि क्या कोर्ट केवल अमीरों के लिए रह गया है? जस्टिस दीपांकर दत्ता और मनमोहन ने इस मामले को अगस्त 2025 के लिए लिस्ट कर दिया है। वाइल्डवूड्स रिजोर्ट ऐंड रियल्टीज की तरफ से पेश हुए सीनियर वकील मुकुल रोहतगी से कोर्ट ने कहा कि क्या इस मामले की सुनवाई की कोई जल्दी है। बेंच ने कहा कि गुजरात हाईकोर्ट ने दिसंबर 2024 में ही इस मामले में अपना फैसला सुना दिया था। वहीं कंपनी ने पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इसके बाद भी वह अर्जेंट सुनवाई की मांग कर रही है। यह मुद्दा उतना अहम नहीं है जितना दिखाने की कोशिश की जा रही है। जस्टिस दत्ता ने कहा कि आपने सीजेआई के सामने जिस एजेंसी की बात की थी

वह क्या थी? 11 दिसंबर को ही हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया था और आपने अप्रैल में एसएलपी फाइल की। याचिका में यह नहीं बताया गया कि सुनवाई की जल्दी क्यों है। ऐसे में लगता है कि जैसे सुप्रीम कोर्ट अमीरों के लिए ही बचा है? आपका केस तो जनवरी 2026 में लिस्ट होना चाहिए। रोहतगी ने कोर्ट से कहा कि जुलाई में ही मामले की सुनवाई कर ली जाए हालांकि बेंच ने उनके इस निवेदन को अस्वीकार कर दिया। बाद में बेंच ने मामले की सुनवाई अगस्त 2025 में करने का फैसला किया है।

बता दें वाइल्डवूड्स नेशनल पार्क के पास में एक रिजॉर्ट बनाना चाहता है। स्टेट बोर्ड ऑफ वाइल्डलाइफ ने यहां रिजॉर्ट बनाने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद कंपनी हाईकोर्ट पहुंची थी। कंपनी ने हाईकोर्ट में कहा कि 2009 में ही उसने सरकार के साथ समझौता किया था। सरकार ने उसे इस प्रोजेक्ट के लिए मदद देने का आश्वासन दिया था। ऐसे में कंपनी ने हाईकोर्ट से मांग की थी कि राज्य के बोर्ड को प्रोजेक्ट में मदद करने का निर्देश दिया जाए। वहीं राज्य सरकार ने कंपनी का विरोध किया। राज्य सरकार कहना है कि प्रस्तावित प्रोजेक्ट की लोकेशन वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी के बेहद करीब है। किसी भी प्रोजेक्ट की दूरी कम से कम एक किलोमीटर दूर होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने छह कथित पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने पर लगाई रोक

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को छह कथित पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने पर रोक लगा दी है। याचिकाकर्ता का दावा है कि वे भारतीय हैं। उनके पास भारतीय नागरिकता को प्रमाणित करने वाले कई दस्तावेज मौजूद हैं, जिनमें भारतीय पासपोर्ट,आधार कार्ड शामिल है।

याचिकाकर्ता के वकील नंदकिशोर इस प्रकरण के बारे में जानकारी देते हुए बताते हैं कि यह बहुत ही हैरान करने वाली बात है। एक व्यक्ति मूल रूप से हिंदुस्तानी है, उसके पास खुद को हिंदुस्तानी साबित करने के लिए अनेकों दस्तावेज हैं। इसके बावजूद, उसे पाकिस्तान जाने के लिए कह दिया जाता है। नोटिस भेज दिया गया। याचिकाकर्ता ने अपने वकील के माध्यम से बताया कि हमारे परिवार में कुल छह सदस्य हैं। इनमें से दो बेटे बेंगलुरु में काम करते हैं। इसके अलावा, परिवार में माता, पिता, भाई और बहन हैं।

नई दिल्ली में भारी बारिश के कारण सड़कें जलमग्न।

पाकिस्तानी रेडियो पर नहीं चलेंगे भारतीय गाने, भारत के एक्शन के बाद पाक ने लगाया बैन

नई दिल्ली,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को भारतीय पर्यटकों पर हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव अपने चरम पर है। इस हमले से जहां पूरे भारत में आक्रोश है, वहीं दोनों देशों के बीच जवाबी कार्रवाई का दौर जारी है, जिसका असर अब सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर भी दिखने लगा है। भारत द्वारा पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों और कलाकारों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद, पाकिस्तान ने भी पलटवार करते हुए अपने रेडियो स्टेशनों पर भारतीय गानों के प्रसारण पर रोक लगा दी है।इस फैसले को 'देशभक्ति की मिसाल' बताते हुए, पाकिस्तान ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन (पीबीए) ने गुरुवार, 1 मई 2025 को इसकी पुष्टि की। एसोसिएशन ने कहा कि देश भर के एफएम स्टेशनों से सभी भारतीय संगीत को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। यह कदम पहलगाम की क्रूर घटना के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ती कूटनीतिक दुश्मनी और प्रतिशोध के मद्देनजर उठाया गया है। पाकिस्तान में दशकों से भारतीय गानों और गायकों की जबरदस्त लोकप्रियता रही है।

जनता की संतुष्टी ही हमारा ध्येयः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नागरिकों को सुशासन का लाभ दिलायें, जनप्रतिनिधियों के साथ करें संवाद

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनता की संतुष्टि ही हमारा ध्येय है। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही सुशासन है, इसलिए प्रदेश के हर नागरिक को सुशासन का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करें और उनके सुझावों पर भी अमल करें। हरसंभव तरीके से अपनी दक्षता और क्षमता बढ़ायें। जिले में चल रही सभी प्रकार की घटनाओं पर पैनी नजर रखें। योजनाओं का समय-सीमा में क्रियान्वयन सुनिश्चित हों, इसके लिए बेहतर से बेहतर प्रबंधन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाईन में आए प्रदेश के 14 जिलों के विभिन्न प्रकरणों की सीधी सुनवाई की और आवेदकों से रू-ब-रू बात कर उनके मामले के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स सरकार की योजनाओं के डिलेवरी सिस्टम के मजबूती के लिये प्रयास करें। नागरिकों के काम समय पर हों और उन्हें अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिये यहां-वहां भटकना न पड़े, यह सुनिश्चित किया जाये।समाधान ऑनलाइन में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह जे.एन. कंसोटिया, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं सचिव उपस्थित थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीएम हेल्पलाईन में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों का तय समय-सीमा में ही निराकरण किया जाये। यदि कोई मसला समाधान ऑनलाईन में आ रहा है तो यह गंभीर है। सुशासन के तहत स्थानीय स्तर पर ही आवेदकों को उनकी समस्या का निदान मिल जाये, यह सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

नेशनल हेराल्ड मामला

राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया और राहुल को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली,(ए)। नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी किया। कोर्ट में मामले की दूसरी सुनवाई हुई थी। स्पेशल जज विशाल गोगने ने कहा किसी भी स्तर पर बात सुने जाने का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई में जान डालता है। मामले की अगली सुनवाई अब 8 मई को होगी।

25 अप्रैल को कोर्ट ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि आरोपियों का पक्ष सुने बिना हम नोटिस जारी नहीं कर सकते हैं। स्पेशल जज विशाल गोगने ने ईडी की याचिका पर 25 अप्रैल को पहली सुनवाई की थी। उन्होंने कहा कि ईडी की चार्जशीट में कुछ दस्तावेज गायब हैं। उन दस्तावेजों को दाखिल करें। उसके बाद नोटिस जारी करने पर फैसला करेंगे।

ईडी ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 9 अप्रैल को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे को आरोपी बनाया था। ईडी ने कोर्ट को बताया था कि हमारी तरफ से कुछ भी नहीं छिपाया जा रहा है। संज्ञान लिए जाने से पहले उन्हें अपनी बात रखने का मौका दिया जा रहा है। हम नहीं चाहते कि आदेश जारी करने में ज्यादा वक्त लगे। इसलिए कोर्ट को नोटिस जारी करना चाहिए।

विदिशा में बारातियों का वाहन पलटा, चार की मौत, सीएम मोहन यादव ने शोक जताया

विदिशा (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में गुरुवार की देर रात को बारातियों से भरा वाहन पलट गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हुई है, वहीं 12 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस हादसे पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दुख व्यक्त किया है और सहायता राशि का भी ऐलान किया है। बताया गया है कि इंदौर के एक गांव से विदिशा के सिरोंज में बारात आई थी। यह बारात गुरुवार की देर रात को लौट रही थी, इसी दौरान मदागन घाटी पर बारातियों का वाहन पलट गया। इस वाहन में 16 लोग सवार थे, जिनमें से चार लोगों की मौत हो गई है, वहीं 12 अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों में से पांच की हालत गंभीर है और उनका उपचार जारी है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, एक वाहन में बाराती सवार थे जबकि दूसरे वाहन में दूल्हा, दुल्हन और अन्य लोग थे।

रातों की नींद हराम.. पीएम मोदी ने चुटकी लेते हुए कहा- मैसेज तो पहुंच गया, मंच पर बैठे थे थरूर और केरल के सीएम

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत के पहले डीप-सी ऑटोमेटेड पोर्ट के निर्माण में सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आभारी हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह पोर्ट भविष्य का वैश्विक ट्रांसशिपमेंट हब होगा। अदाणी ने कहा, हम सब मिलकर

एक मजबूत और साहसी भारत की ओर बढ़ रहे हैं।प्रधानमंत्री मोदी की ओर से 8,900 करोड़ रुपए की लागत वाले विझिनजाम इंटरनेशनल डीप-वाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट को राष्ट्र को समर्पित करने के बाद गौतम अदाणी ने कहा कि यह दूरदर्शिता, मजबूती और साझेदारी की जीत है। इस मौके पर दिए अपने संबोधन में पीएम मोदी ने विपक्ष पर भी चुटकी ली। उन्होंने इस दौरान शशि थरूर और केरल के मुख्यमंत्री पर भी टिप्पणी की है।

53 साल पहले लांच किया स्पेसक्राफ्ट हुआ बेलगाम, धरती से टकराया तो मचेगी तबाही?

लंदन (ए)। पृथ्वी से अंतरिक्ष में 53 साल पहले लॉन्च किया गया एक स्पेसक्राफ्ट अब खतरा बन गया है। जल्द ही यह पृथ्वी पर गिरने वाला है। कहानी शुरू होती है 1972 से, जब सोवियत संघ ने शुक्र ग्रह पर उतरने का सपना देखा। लेकिन उनका यह सपना अधूरा ही रह गया। सोवियत संघ ने कोस्मोस 482, अंतरिक्ष यान लॉन्च किया। लेकिन आधे रास्ते में ही मिशन को खराबी का सामना करना पड़ा, जिस कारण यह धरती की कक्षा में फंस गया। आधा टन धातु का यह गोला अब अनियंत्रित होकर पृथ्वी पर गिरने वाला है। कोई नहीं जानता कि यह अनचाहा मेहमान कहां कहां गिरेगा, वापसी के बाद कितना बचेगा और कितना नुकसान पहुंचाएगा।

लैंगब्रोक का कहना है, 'घबराने की जरूरत नहीं, लेकिन खतरा पूरी तरह टला नहीं है।' यह यान छोटा है, सिर्फ 500 किलो का, और अगर यह वातावरण में नहीं जला, तो भी इसका जोखिम 'उल्कापिंड गिरने' जैसा है। हर साल कई उल्कापिंड धरती पर गिरते हैं, और इस यान से नुकसान की संभावना उतनी ही कम है, जितना बिजली गिरने से मरने की। हालांकि अगर इसका हीटशील्ड काम कर गया तो यह बिना जले धरती पर आ सकता है। हार्वर्ड-स्मिथसोनियन सेंटर के जोनाथन मैकडॉवेल ने चेतावनी दी, 'अगर हीट शील्ड नहीं टूटा, तो यह एक बेकाबू धातु का गोला होगा, जो आसमान से गिरेगा। कोस्मोस 482 कोई साधारण स्पेसक्राफ्ट नहीं था। यह एक गोलाकार लैंडिंग कैप्सूल था, जो करीब 1 मीटर चौड़ा था, जिसे शुक्र ग्रह के जहरीले, गर्म वातावरण में उतरने के लिए बनाया गया था। इसका हीट शील्ड इतना मजबूत था कि वह कार्बन डाइऑक्साइड से भरी वीनस की हवा को झेल सकता था। लेकिन रॉकेट फेल हो जाने से यह धरती की कक्षा में अटक गया, और पिछले 53 सालों से यह धरती का चक्कर काट रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक डच वैज्ञानिक मार्को लैंगब्रोक का अनुमान है कि यह 10 मई के आसपास पृथ्वी पर गिरेगा। जब यह वापसी करेगा तब इसकी स्पीड 242 किमी प्रति घंटे होगी।

गंगा एक्सप्रेसवे पर फाइटर जेट्स ने किया टच एंड गो रिहर्सल, दिखाई अपनी ताकत

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद में गंगा एक्सप्रेसवे पर बनी एयर स्ट्रिप पर शुक्रवार को भारतीय वायुसेना की ताकत देखने को मिली। इस आधुनिक एयर स्ट्रिप की लंबाई तीन किलोमीटर है। इस पर भारतीय वायुसेना के

राफेल, मिराज, जगुआर जैसे एडवांस फाइटर जेट्स ने दिन में टच एंड गो रिहर्सल करके अपनी शक्ति और कौशल का प्रदर्शन किया। यह भी बताया गया है कि भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान रात में भी इस क्रम को दोहराएंगे।दरअसल, शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेसवे पर बनी हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमानों का टच एंड गो रिहर्सल किया गया। लड़ाकू विमानों का शो देखने के लिए 500 से ज्यादा स्कूली बच्चों को बुलाया गया। गंगा एक्सप्रेसवे पर तीन किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी बनाई गई है, जिस पर मिराज, जगुआर, मिग 29 और राफेल ने अपनी ताकत दिखाई।इसके अलावा कैरियर एयरक्राफ्ट और हरक्यूलस जैसे विमानों ने भी अपने कौशल का परिचय दिया। अदाणी ग्रुप से जुड़े अधिकारी ने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे देश में सबसे बड़ा है। यह एक्सप्रेसवे 594 किलोमीटर लंबा है। यह मेरठ से प्रयागराज को जोड़ता है। यह एक ऐतिहासिक प्रोजेक्ट है। गंगा एक्सप्रेसवे देश और राज्य के लिए काफी अहम है।

जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़ें अधिकाधिक नागरिक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

-नर्मदा परिक्रमा पथ के स्थानों पर परिक्रमावासियों के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों

-मुख्यमंत्री ने पानी बचाने के काम में अच्छा कार्य करने वाले जिलों को दी बधाई

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियों की समीक्षा कर उत्कृष्ट कार्य करने वालों को बधाई दी। उन्होंने मुख्यमंत्री निवास पर हुई बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा के साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा कलेक्टर्स को जरूरी निर्देश भी दिए। उद्योग और रोजगार वर्ष 2025 से संबंधित गतिविधियों और एयर एंबुलेंस सेवा के संबंध में भी चर्चा की। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा परिक्रमा पथ में आश्रय स्थलों में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। परिक्रमा पथ के 321 स्थानों की पोर्टल पर भी मैपिंग की गई है। परिक्रमावासियों के विश्राम, भोजन के साथ ही संतों के लिए ध्यान कक्ष और कुटिया की व्यवस्था भी इन स्थानों पर की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा सभी जिला कलेक्टर्स को आवश्यक निर्देश दिए गए। प्रदेश में पानी बचाने, सहेजने, जल स्त्रोतों के संरक्षण और नए स्त्रोतों के निर्माण कार्यों में नागरिक भी भागीदारी कर रहे हैं। अभियान के अंतर्गत अब तक 21 लाख नागरिकों की सहभागिता सामने आई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संवर्धन कार्यों में जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में खेत-तालाब के माध्यम से एक लाख हेक्टेयर सिंचाई सुविधा का सृजन करने में सफलता मिली है। उल्लेखनीय है कि खेत-तालाब निर्माण के लिए प्रति किसान 100 रूपए के व्यय पर राज्य शासन पर मात्र 5 रूपए का वित्तीय भार आता है। प्रदेश में वर्तमान में पूर्ण हुए 23 हजार 494 कार्यों पर लागत 634 करोड़ रूपए है। प्रति किसान औसत लागत 2.7 लाख रूपए आई है। प्रदेश में रिमोट सेंसिंग से 7 लाख कूपों की मैपिंग की गई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में कूप रीचार्ज कार्य में बैतूल जिला प्रदेश में प्रथम है। खंडवा द्वितीय और छिंदवाड़ा तृतीय स्थान पर है। खंडवा जिले में घोड़ापछाड़ नदी के संरक्षण के कार्य को व्यापक प्रशंसा मिली है। यह नदी छह महीने सूखी रहती थी। अब 12 ग्रामों की साढ़े सात सौ हेक्टेयर जमीन की सिंचाई होने लगी है। अमृत सरोवर निर्माण में धार प्रथम है। सीधी द्वितीय स्थान और छिंदवाड़ा तृतीय स्थान पर है। प्राचीन बावडियों के संरक्षण में टीकमगढ़ जिले में वजीतपुरा बावड़ी का संरक्षण किया गया है। इंदौर में अहिल्या कुंड ने संरक्षण के बाद नया स्वरूप ले लिया है। इंदौर में एक पॉली टैंक कानिर्माण भी हुआ है, जहां मत्स्य पालन हो रहा है। नर्मदापुरम में नर्मदा पथ में जल मंदिर का निर्माण किया गया है।

09069/09070 उधना-समस्तीपुर-उधना साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन

भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी

भोपाल (निप्र)। रेल प्रशासन द्वारा समर के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लियर करने और उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से उधना-समस्तीपुर-उधना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर 05-05 ट्रिप चलाने का निर्णय लिया गया है। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी।

उधना-समस्तीपुर-उधना साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन (10 सेवाएं)

गाड़ी संख्या 09069 उधना-समस्तीपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दिनांक 03 मई से 31 मई 2025 तक प्रत्येक शनिवार को उधना स्टेशन से रात 20:35 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन इटारसी सुबह 06:05 बजे, जबलपुर 09:20 बजे, कटनी 10:45 बजे, सतना 12:25 बजे पहुँचकर, अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन सोमवार 02:35 बजे समस्तीपुर स्टेशन पहुंचेगी। (05 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 09070 समस्तीपुर-उधना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दिनांक 05 मई से 02 जून 2025 तक प्रत्येक सोमवार को समस्तीपुर स्टेशन से प्रात: 05:00 बजे प्रस्थान कर, सतना 19:10 बजे, कटनी रात 22:00 बजे, अगले दिन जबलपुर मध्यरात्रि 00:05 बजे, इटारसी 03:35 बजे पहुँचकर,अन्य स्टेशनों से होते हुए मंगलवार दोपहर 14:00 बजे उधना स्टेशन पहुंचेगी। (05 ट्रिप)

ठहराव- चलथान, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र जंक्शन, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर।

रेल यात्रियों से अनुरोध है कि समर स्पेशल ट्रेन की विस्तृत जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन वेबसाइड से प्राप्त कर सकते हैं।

मीडियाकर्मी से मारपीट कर लूट का प्रयास, बदमाश ने चाकू मार किया घायल

भोपाल(ए)। पिपलानी इलाके में स्थित गोपालनगर दीप मोहनी कॉलोनी के सामने एक मीडियाकर्मी के साथ देर रात बदमाशो ने मारपीट कर लूट का प्रयास किया गया। युवक ने साहस दिखाते हुए बदमाशों का मुकाबला किया इस बीच आरोपियों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। इससे उसे हाथ और सिर में चोट आई है। घायल का एम्स में इलाज चल रहा है। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, संजीव श्रीवास्तव एक निजी मीडिया संस्थान में पत्रकार हैं। 29 अप्रैल की देर रात 1.30 बजे वह काम के बाद घर जा रहे थे। जैसै ही वह गोपालनगर दीप मोहनी कॉलोनी के सामने पुलिया पर पहुंचा, तभी मोपेड सवार दो बदमाशों ने उन्हें अकेला देखकर रोक लिया। बदमाशो ने संदीप के साथ मारपीट कर उन्हें लूटने की कोशिश की। संदीप बदमाशों से भिड़ गए। एक बदमाश ने चाकू निकालकर संदीप के पेट पर वार किया। संदीप ने हाथ से चाकू पकड़ लिया। इससे उनके हाथ में चोट आई। बदमाश ने फिर से चाकू से उनके सिर पर वार कर दिया जिससे उनके सिर से खून निकल आया। उन्हें लहूलुहान हालत में देख आरोपी वहॉ से भाग निकले। बाद में गंभीर रूप से घायल संदीप को इलाज के लिये एम्स में भर्ती कराया गया। मामला दर्ज कर पुलिस हुलिये आधार पर आरोपियों की पहचान जुटाने के प्रयास कर रही है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे है।

सहकारी दुग्ध संघों द्वारा दूध क्रय दरों में वृद्धि

भोपाल (ए)। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) द्वारा ''सांची'' के प्रबंधन सम्भालने के पश्चात एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) से संबद्ध सहकारी दुग्ध संघों की दुग्ध समितियों के दुग्ध प्रदायकों से क्रय किए जाने वाले दूध क्रय दरों में 01 मई 2025 से वृद्धि कर प्रभावशील की गई है। एमपीसीडीएफ से जानकारी के अनुसार 01 मई 2025 से सांची के दुग्ध प्रदायकों में नवीन दरों से दुध क्रय किए जाने पर दुग्ध प्रदायकों की आर्थिक स्थित सुदृढ होगी, और दुग्ध प्रदायकों को दुधारू पशुपालन में रूचि भी बढेगी।इन दुग्ध संघों की दुग्ध समितियों के दुग्ध प्रदायकों की बढाई गई दरें-ग्वालियर सहकारी दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध समितियों के दुग्ध उत्पादकों से दूध क्रय 700 रूपए प्रति किग्रा फैट के हिसाब से किया जाता था जो अब 01 मई 2025 से नवीन दर 760 रूपए प्रति किग्रा फैट पर क्रय किया जा रहा है। दूध क्रय की दर में 60 रूपए प्रति किलो ग्राम फैट की वृद्धि की गई है।

भोपाल स्टेशन परिसर में अचेत अवस्था में मिले व्यक्ति को तत्काल चिकित्सा सहायता, रेल प्रशासन की तत्परता से बचाई गई जान

भोपाल (निप्र)। भोपाल मंडल यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा हेतु सतत प्रयासरत है। इसी क्रम में भोपाल स्टेशन पर समय पर दी गई चिकित्सा सहायता से एक यात्री की जान बचाई गई। दिनांक 01 मई 2025 को लगभग 17:00 बजे भोपाल रेलवे स्टेशन के नए भवन के पोर्च क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति के अचेत अवस्था में पड़े होने की जानकारी यात्रियों द्वारा तत्काल उपस्टेशन अधीक्षक (वाणिज्य) आनंद कृष्ण मिश्रा को दी गई। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 स्थित आपातकालीन चिकित्सा कक्ष में तैनात चिकित्सक डॉ. नूर हसन को सूचित किया और स्वयं मौके पर पहुंचे।

डॉ. नूर हसन द्वारा मौके पर पहुंचकर जब उक्त व्यक्ति की चिकित्सकीय जांच की गई तो पाया गया कि वह तीव्र लू (हीट स्ट्रोक) का शिकार हुआ है और उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता है। व्यक्ति के पास से दिल्ली से अमृतसर की टिकट तथा एक हस्तलिखित पर्ची प्राप्त हुई, जिस पर लिखा था कि मुझे सासाराम बिहार पहुंचा दीजिये , मैं खो गया हूँ ।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए श्री मिश्रा द्वारा तुरंत 108 एम्बुलेंस सेवा को कॉल किया गया तथा साथ ही आरपीएफ एवं जीआरपी को सुचित किया 7 एम्बुलेंस स्टेशन परिसर में पहुंची और उक्त व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद जीआरपी कांस्टेबल के साथ आगे के इलाज हेतु हमीदिया अस्पताल भेजा गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल मंडल रेल प्रशासन द्वारा स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना तथा कर्मचारियों की त्वरित प्रतिक्रिया, रेलवे के प्रति जनकल्याण की भावना को दर्शाता है। यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता ही हमारा प्रथम कर्तव्य है और इसी उद्देश्य के साथ कार्य किया जा रहा है।

खनियाधाना विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में हुए गबन में शामिल 6 लोगों पर हुई एफआईआर

भोपाल(आरएनएस)। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय खनियाधाना में वर्ष 2018- 19 से 2024- 25 तक कुल 40 व्यक्तियों के खाते में एक करोड़ चार लाख 42 हजार 763 रुपए का कपट पूर्ण भुगतान और 20 व्यक्तियों के खातों में 50000 से अधिक राशि वेतन के अन्य भत्ता मद में संदिग्ध रूप से भुगतान होना सूचित किया गया था। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने इसे तत्काल संज्ञान में लिया। एसडीएम पिछोर शिवदयाल धाकड़ की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की सहायक संचालक शालिनी दिनकर, सहायक पेंशन अधिकारी संतोष कुर्मी और कोषालय लिपिक अमित यादव की चार सदस्य जांच समिति गठित की गई। समिति द्वारा इस मामले की जांच कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें 40 व्यक्तियों में से 18 लोगों के खातों में 68 लाख 77 हजार 121 का कपटपूर्ण भुगतान होना पाया गया। इसके अलावा 20 में से 8 व्यक्तियों के बैंक खाते में 6 लाख 19 हजार 274 रुपए का भुगतान किया गया था।

वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र धनोतिया के पिता स्व. रामचन्द्र धनोतिया की पुण्यतिथि पर शिवराज सिंह चौहान ने किया पौधरोपण

भोपाल (ए.)। स्मार्ट सिटी पार्क भोपाल, स्वस्थ्य पर्यावरण के लिये हर रोज पौधरोपण करने के संकल्प को प्रदेश, देश और विश्व में कहीं भी हो साकार रूप दे रहे प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को स्वर्गीय रामचंद्र धनोतिया की चतुर्थ पुण्य तिथि पर पुत्र वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र धनोतिया एवं पोते अजय धनोतिया के साथ अर्जुन का पौधा रोपा। शिवराज सिंह चौहान ने इस मौके पर पर्यावरण को सुरक्षित और समृद्ध करने के महासंकल्प के साथ संदेश दिया कि एक व्यस्क पौधा हजारों पक्षियों और जीव- जन्तुओं को भोजन देता है। इसलिये अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरहा, माता - पिता की स्मृति - पुण्यतिथि पर एक पेड़ अवश्य लगाये। शिवराज ने श्री धनोतिया के पिता की पुण्यतिथि पर यह दूसरा पेड़ लगाया है। उन्होंने 1 मई को उनकी माता श्रीमती लीला धनोतिया की स्मृति में भी जामुन का पौधा इसी जगह उनके परिजनों के साथ रोपा। श्री धनोतिया की माताजी का निधन 28 मार्च को हो गया था। उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के साथ ही उन्होंने उनके साथ 2 मई 2025 को उनके पिता की पहली पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री रहते हुए मां के साथ (उस समय उनकी मां जीवित थी) लगाये गये नीम के पेड़ की यादों को भी चर्चा के दौरान साझा किया। बीते दिवस ही जब श्री धनोतिया द्वारा पिता जी की पुण्यतिथि पर पौधरोपण की याद दिलाई गई और बताया कि पिता जी की 2 मई को चतुर्थ पुण्यतिथि है तो श्री चौहान जी द्वारा आज के दिन पौधरोपण करने की बात कही गई और आज दिल्ली जाने के पूर्व पौधरोपण किया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से म.प्र. मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने आज राजभवन में सौजन्य भेंट की।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय रेल के लिए डिज़ाइन करें डिजिटल घड़ी,जीतें 5 लाख रुपए का राष्ट्रीय पुरस्कार

भोपाल (निप्र)। भोपाल मंडल भारतीय रेल के नवाचार प्रयासों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से जागरूकता प्रसार में सतत अग्रसर है। इसी क्रम में रेलवे बोर्ड द्वारा एक अनूठी राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है, जिसमें आम नागरिकों को भारतीय रेल के लिए नई डिजिटल घड़ी डिज़ाइन करने का आमंत्रण दिया गया है। भारतीय रेल की ओर से देशभर के सभी रेलवे स्टेशनों पर एक समान डिजिटल क्लॉक स्थापित करने की योजना बनाई गई है। इस दिशा में घड़ी की डिज़ाइन को लेकर पहली बार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है, जो आम जनता, स्कूली छात्रों एवं कॉलेज/यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर है। प्रतिभागियों को 1 मई से 31 मई 2025 तक ऑनलाइन माध्यम से डिज़ाइन प्रस्तुत करनी है। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार ने जानकारी दी कि डिज़ाइन तीन श्रेणियों—स्कूली छात्र (12वीं कक्षा तक), कॉलेज/यूनिवर्सिटी विद्यार्थी तथा पेशेवर—में आमंत्रित की गई है। सभी श्रेणियों को मिलाकर चयनित श्रेष्ठ डिज़ाइन को 5 लाख रुपए का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। साथ ही तीनों श्रेणियों में से प्रत्येक में पाँच-पाँच सांत्वना पुरस्कार 50,000 रुपए के रूप में दिए जाएंगे। डिज़ाइन भेजने की प्रक्रिया पूर्णत: ऑनलाइन है। प्रतिभागियों को वाटरमार्क रहित हाई-रेज़ोल्यूशन डिज़ाइन ईमेल आईडी contest.pr@rb.railnet.gov.in पर भेजनी है। साथ ही, डिज़ाइन के साथ उसका अवधारणा नोट और मौलिकता प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यह प्रतियोगिता भारतीय रेल की समय प्रबंधन की आधुनिक सोच और जनसहभागिता को दर्शाने वाला एक प्रेरक प्रयास है। भोपाल मंडल के नागरिक, विद्यार्थी, डिज़ाइनर और कलाकार इस अवसर का लाभ उठाएं और भारतीय रेल के साथ 'समय' को एक नई पहचान देने का गौरव प्राप्त करें।

भोपाल रेप केस-पुलिस ने पांचवा आरोपी को किया गिरफ्तार

भोपाल (आरएनएस)। कॉलेज छात्राओं से रेप और वीडियो बनाने के मामले में फरार आरोपी नबील खान अशोका गार्डन पुलिस की गिरफ्त में आ गया है। एफआईआर की भनक लगने के बाद वह बंगाल भाग गया था।उसकी आखिरी लोकेशन मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) में ट्रेस की गई थी। जबकि वह मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। नबील के पकड़ में आने के बाद अब केस में कुल पांच आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। इनमें फरहान, साद, अली और साहिल शामिल हैं। वहीं, छठे आरोपी अबरार की तलाश में पुलिस की एक टीम बिहार गई है।आरोपी नबील बेहद शातिर है। वह पुलिस को चकमा देकर बंगाल से भोपाल आ चुका था। उसे यकीन था कि पुलिस उसकी तलाश बिहार और बंगाल में करेगी। भोपाल में छिपेगा तो किसी का ध्यान नहीं जाएगा, क्योंकि यहां से भाग चुका है। पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त कर लिया है। लैपटॉप को भी जब्त किया जाएगा। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने डिटेल पूछताछ के लिए उसे 5 मई तक पुलिस रिमांड पर सौंपा है। गैंग का मास्टरमाइंड फरहान नबील खान के ही कमरे का इस्तेमाल छात्राओं से रेप करने के लिए करता था। पूरे केस के पांचवें और छठवें नंबर के इन दोनों आरोपियों की भूमिका भी अहम हुआ करती थी। दोनों ही आरोपी लड़कियों को अपने कमरे में कभी पढ़ाई, तो कभी पार्टी के नाम पर बुलाया करते थे।

दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को लिखा पत्र

भोपाल (आरएनएस)। राज्यसभा सांसद एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को एक पत्र लिखकर राज्य में मजदूरों के कल्याण के लिए बनाए गए कोष में से अन्य मद में डायवर्ट की गई राशि रू. 416.33 करोड़ का बजट में प्रावधान करने और उसे पुन: मजदूर कल्याण कोष में लिया जाने का अनुरोध किया है। इस पत्र में दिग्विजय सिंह ने बताया है कि मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण मंडल के पास मार्च 2022 तक रू. 1,959.63 करोड़ की अप्रयुक्त राशि थी। लेकिन वित्त वर्ष 2021-22 में, बोर्ड ने रू. 1,128.57 करोड़ खर्च किए, जिसमें से रू. 416.33 करोड़ की राशि निर्माण श्रमिकों के लिए किसी भी कल्याणकारी योजना में नहीं लगाई गई बल्कि उसे तत्कालीन शिवराज सिंह की सरकार के निर्देशन में अक्टूबर 2021 में दो विद्युत सब्सिडी योजनाओं - मुख्यमंत्री बकाया बिजली बिल माफी योजना और सरल बिजली बिल योजना, पर खर्च कर दिए गए। दिग्विजय सिंह ने बताया है कि यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना है। कोर्ट के उन आदेशों में सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों द्वारा मजदूर कल्याण फंड को अन्य योजनाओं में खर्च करने की प्रवृत्ति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे शक्ति से प्रतिबंधित किया था। दिग्विजय सिंह ने कहा है कि यह एक गंभीर मुद्दा है और इसका समाधान निकालना आवश्यक है। उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार के श्रम मंत्रालय ने भी जून 2016 में सभी राज्य सरकारों को निर्देश जारी किए थे कि MP BOCW अधिनियम की धारा 22(1) (h) के तहत मजदूरों और उनके परिवारों के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए फंड का उपयोग नहीं किया जा सकता फिर क्या कारण है कि मध्य प्रदेश में कानून के विरुद्ध जाकर इस फंड का दुरुपयोग किया गया? पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से अनुरोध किया है कि प्रदेश के मजदूरों के कल्याण के लिए कानूनी रूप से बनाए गए कोष में से अन्य मद में डाइवर्ट की गई राशि रुपए 416.33 करोड़ का बजट में प्रावधान करके उसे पुन: MP BOCW बोर्ड के खाते में लिया जाए तथा उक्त राशि को नियम विरुद्ध डाइवर्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई हेतु समुचित निर्देश देने का कष्ट करें। उन्होंने मुख्यमंत्री से उम्मीद जताई है कि वे इसे गंभीरता से लेंगे तथा कैग की रिपोर्ट पर कार्यवाही करते हुए कानून तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय की भावनाओं के अनुरूप कार्रवाई करेंगे तथा इस प्रकार की फंड डायवर्जन को भविष्य में रोकने के लिए ठोस कदम भी उठाएंगे।

खुद को हिंदू बताकर छात्रा को प्रेमजाल में फंसाया, धर्म परिवर्तन का दबाव; हिरासत में फरहान

सागर (ए.)। सागर शहर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने खुद को हिंदू बताकर कॉलेज की छात्रा को प्रेमजाल में फंसाया, छह महीने तक शारीरिक शोषण किया और फिर उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने लगा। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी फरहान मकरानी और उसके साथी के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है।

पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने मार्च 2024 में 'नमन' नाम की इंस्टाग्राम आईडी से संपर्क किया और खुद का नाम 'गोलू' बताया। बातचीत शुरू होने के बाद दोनों के बीच फोन पर बातचीत और मुलाकातें होने लगीं। आरोपी हर बार माथे पर तिलक लगाकर आता और मंदिरों में भी साथ जाता, जिससे पीड़िता को उस पर विश्वास हो गया। अक्तूबर 2024 में छात्रा को पता चला कि आरोपी का असली नाम फरहान मकरानी है, जो सागर के सदर क्षेत्र का निवासी है। सच्चाई सामने आने के बाद युवती ने उससे दूरी बनानी शुरू कर दी, जिसके बाद आरोपी ने बदनाम करने की धमकी देना शुरू कर दिया।

मंदिर में मिलकर किया धर्म परिवर्तन का दबाव

30 अप्रैल को पीड़िता अपनी सहेली के साथ भगवानगंज स्थित शनिदेव मंदिर

दर्शन के लिए गई थी। वहीं आरोपी फरहान और उसका दोस्त रोहित कुशवाहा आ धमके। फरहान ने युवती से कहा कि तुमसे धर्म बदलने को कहा था, फिर क्यों नहीं बदला? इसके बाद दोनों ने मिलकर जान से मारने की धमकी देते हुए जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव डाला। पीड़िता ने बताया कि वह मूलत: पन्ना जिले की रहने वाली है और पिछले तीन वर्षों से सागर में रहकर पढ़ाई कर रही है। आरोपी पहले ही उससे जबरन शारीरिक संबंध बना चुका है और बार-बार मुसलमान बनने की धमकी देता रहा।

हिंदू संगठन ने की मदद

घटना से परेशान होकर पीड़िता ने एक हिंदू संगठन से संपर्क किया और पूरी आपबीती सुनाई। संगठन के सदस्यों ने छात्रा को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संजीव उइके से मुलाकात की। उनके निर्देश पर महिला थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया। मामले को लेकर एएसपी डॉ. संजीव उइके ने बताया कि युवती की शिकायत पर फरहान मकरानी और उसके दोस्त रोहित कुशवाहा के खिलाफ बलात्कार, धमकी, धर्म परिवर्तन का दबाव समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और मामले की विवेचना जारी है।

ग्राम बरतराई में गांजे की खेती का भंडाफोड़, पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

उमरिया (ए.)। जिले के सिविल लाइन थाना अंतर्गत ग्राम बरतराई में गांजे की अवैध खेती का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। मुखबिर से प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने गुरुवार को छापामार कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को उसके घर में गांजे की खेती करते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान गया सिंह गोंड के रूप में हुई है, जो ग्राम बरतराई का निवासी है।

शादी से एक सप्ताह पहले ससुराल वालों ने मांगे 11 लाख रुपये और कार, युवती ने दर्ज कराई FIR

उजाला, (ए.)। जबलपुर अधारताल की एक युवती ने ससुराल पक्ष पर दहेज में 11 लाख रुपये नकद और कार की मांग करने का आरोप लगाया है। युवती का विवाह 6 मई को तय था, लेकिन शादी से ठीक एक सप्ताह पहले ससुराल पक्ष ने दहेज की मांग करते हुए शादी तोड़ने की धमकी दी। इस मामले में युवती ने गोहलपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गोहलपुर थाना पुलिस के अनुसार, 22 वर्षीय युवती की सगाई सुहागी कृष्णा कॉलोनी निवासी शैलेन्द्र झारिया से हुई थी। 27 अप्रैल को गुलजार होटल में सगाई और लगुन का कार्यक्रम संपन्न हुआ था, जिसमें लड़की पक्ष ने लड़के वालों को दो लाख रुपये नकद, सवा लाख रुपये की सोने की अंगूठी और 60 हजार रुपये के कपड़े भेंट किए थे।

विवाह समारोह में व्यस्त था पूरा परिवार, कार से आए चोर और सूने मकान से उड़ा दिए 14 लाख नकदी और गहने

सीहोर (ए.)। ब्रम्हपुरी कॉलोनी निवासी सतीश राय की बेटी की शादी पास ही स्थित एक मैरिज गार्डन में थी। पूरा परिवार समारोह में व्यस्त था, इसी दौरान चोरों ने सूने घर को निशाना बना लिया। चोर कार से आए और घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे। उन्होंने अलमारियों में रखी नकदी और जेवरात समेत करीब 14 लाख रुपये का माल चोरी कर लिया।

परिजन जब देर रात शादी समारोह से लौटे तो घर की खिड़की और अलमारियां खुली मिलीं और सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद तत्काल कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने डॉग स्क्वॉड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की मदद से जांच शुरू की। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर दो से तीन चोर कार से उतरकर बाउंड्री फांदते दिखाई दिए। आशंका है कि चोर पीछे की खिड़की से घर में घुसे।

दूसरी चोरी मुरली रोड पर

इसी रात चोरों ने मुरली रोड स्थित राज्य सहकारी विपणन संघ के कार्यालय को भी निशाना बनाया। चोर स्विफ्ट कार से आए और कार्यालय का ताला तोड़कर अंदर घुसे। उन्होंने तीन अलमारियों के ताले तोड़ने के साथ-साथ एक क्रिंटल से ज्यादा वजनी तिजोरी और एक एलईडी टीवी चोरी कर ली। अलमारियों में केवल दस्तावेज थे, जबकि तिजोरी में 10 से 12 हजार रुपये नकद थे।

प्रधान आरक्षक की पत्नी की रहस्यमयी मौत, आधी रात को ले जाया गया अस्पताल

इंदौर (ए.)। फर्स्ट बटालियन में पदस्थ प्रधान आरक्षक की पत्नी की तबीयत गुरुवार रात अचानक बिगड़ गई। गंभीर हालत में उन्हें इलाज के लिए एमवाय अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान करीब आधे घंटे में उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

रात 3 बजे बेसुध हालत में पहुंचे अस्पताल

सदर बाजार पुलिस के अनुसार, एमवाय अस्पताल में गुरुवार रात करीब 3 बजे फर्स्ट बटालियन में तैनात प्रधान आरक्षक रंजीत गुप्ता अपनी पत्नी रोशनी को बेसुध हालत में लेकर पहुंचे थे। डॉक्टरों को जानकारी देते हुए रंजीत ने बताया कि रोशनी की तबीयत घर पर अचानक खराब हो गई थी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी हालत नहीं सुधरी और आधे घंटे बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर लगेगी लगाम, कलेक्टर ने जताई सख्ती; 69 स्कूलों को लगाई फटकार

उमरिया (ए.)। उमरिया जिले में निजी स्कूलों की फीस और संचालन व्यवस्था को लेकर अब प्रशासन सख्त रुख अपनाने जा रहा है। मप्र निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 के तहत जिला पंचायत सभागार में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में फीस विनियमन से जुड़ी अनियमितताओं और नियमों की अनदेखी पर कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में नाराजगी जाहिर की और संबंधित स्कूलों को चेतावनी दी।

कलेक्टर जैन ने निर्देश दिए कि सभी निजी विद्यालय मप्र निजी विद्यालय नियम 2020 की धारा 3 एवं 4 के अनुसार अभिभावकों को स्पष्ट एवं मदवार शुल्क विवरण दें। यह भी अनिवार्य है कि आगामी सत्र की प्रस्तावित फीस संरचना सत्र प्रारंभ होने से 180 दिन पहले शासन द्वारा निर्धारित पोर्टल पर अपलोड की जाए और उसे जिला समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि कई विद्यालय इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है।

इस दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि जिले के 69 निजी विद्यालयों ने अब तक मान्यता से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रस्तुत नहीं की है। इस पर कलेक्टर ने कड़ा ऐतराज जताते हुए संबंधित विद्यालयों को चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समयसीमा में जानकारी नहीं दी जाती है, तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण में प्रतिकूलता पाए जाने पर जुर्माना या मान्यता निरस्त करने जैसी कार्रवाई भी की जा सकती है।

सीधी जिला अस्पताल का मुख्य द्वार भरभराकर गिरा, बाल-बाल बचे लोग; सांसद ने जताई नाराजगी

सीधी (ए.)। सीधी जिला अस्पताल में गुरुवार को उस समय अफरातफरी मच गई जब हाल ही में बना मुख्य प्रवेश द्वार अचानक भरभराकर गिर पड़ा। गनीमत रही कि हादसे के वक्त गेट के पास मौजूद सुरक्षाकर्मी और मरीजों के परिजन सतर्कता दिखाते हुए समय रहते हट गए, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, मलबे की चपेट में आकर दो मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त हो गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिला अस्पताल के मुख्य द्वार के नीचे कई वाहन खड़े थे और लोगों की आवाजाही भी जारी थी। तभी अचानक छज्जा भरभराकर नीचे गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार, यह मुख्य द्वार हाल ही में अस्पताल के जीर्णोद्धार कार्य के तहत बनाया गया था। निर्माण के शुरुआती दिनों से ही इसकी गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए जा रहे थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण के कुछ ही दिनों बाद गेट में दरारें दिखने लगी थीं, जिससे लोगों में भय का माहौल था।

व्यापार समाचार

भारत-यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौता पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (ए.)। भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत में सार्थक प्रगति के लिए आयात शुल्क के मुद्दों को सुलझाने के साथ ही व्यवसायों के समक्ष पेश होने वाली गैर-शुल्क बाधाओं का समाधान तलाशने पर समान रूप से गौर करने पर जोर दिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविच के बीच ब्रसेल्स में हुई बैठक के दौरान वार्ता की प्रगति पर चर्चा की गई। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा ?कि भारत ने इस बात पर जोर दिया कि व्यापार वार्ता में सार्थक प्रगति के लिए शुल्क (आयात शुल्क) चर्चाओं के साथ-साथ गैर-शुल्क बाधाओं (एनटीबी) पर भी समान ध्यान देने की जरूरत है। इसके अलावा नियामक ढांचे को समावेशी, आनुपातिक होना चाहिए तथा व्यापार को प्रतिबंधित करने से बचना चाहिए। देश ने पहले भी कई अवसरों पर यूरोपीय संघ के बाजारों में घरेलू उद्योग के समक्ष उत्पन्न गैर-शुल्क बाधाओं का मुद्दा उठाया है और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए इस मुद्दे को सुलझाने का आग्रह किया है। उन्होंने मासिक वार्ता और निरंतर ऑनलाइन जुड़ाव के जरिये वार्ता की गति को बनाए रखने के महत्व पर भी बल दिया। अगले दौर की वार्ता 12-16 मई को यहां निर्धारित है। इसमें कहा गया है कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) डिजिटल बदलाव का समर्थन कर और विविध एवं लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देकर वैश्विक वाणिज्य की उभरती वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने की आकांक्षा रखता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। आज के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में ही तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 260 अंकों की तेजी के साथ ही 80,502 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 13 अंकों की तेजी के साथ ही 24,347 के स्तर पर बंद हुआ। आज निफ्टी बैंक,वित्तीय और आईटी इंडेक्स लाभ के साथ बंद हुए जबकि वाहन, एफएमसीजी, मेटल, फार्मा और संपत्ति क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गयी। आज सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में अडानी पोर्ट , इंडसइंड बैंक, एसबीआई, टाटा मोटर्स आदि रहे वहीं सबसे अधिक नुकसान वाले शेयरों में एनटीपीसी, कोटक बैंक और टाइटन व पावर ग्रिड रहे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत हरे निशान के साथ हुई। सेंसेक्स 727.82 अंक की बढ़त के साथ 80,970 और निफ्टी 199 अंक की तेजी के साथ 24,528 पर कारोबार कर रहा था। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के मजबूत नतीजों के कारण अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। करीब 5 प्रतिशत की बढ़त के साथ यह सेंसेक्स का टॉप गेनर था। इसके अतिरिक्त सुबह के कारोबार में मारुति सुजुकी, इंडसइंड बैंक, एमएंडएम, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल (जोमैटो), टीसीएस, टाटा स्टील और आईटीसी टॉप गेनर्स थे। आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 295 अंक की तेजी के साथ 54,420 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 96 अंक की बढ़त के साथ 16,545 पर कारोबार कर रहा था। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, मेटल और प्राइवेट बैंक के साथ करीब सभी इंडेक्सों में हरे निशान में कारोबार हो रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी के साथ कारोबार हुआ। टोक्यो, हांगकांग, सोल, जकार्ता और बैंकॉक हरे निशान में थे जबकि अमेरिकी बाजार भी गत दिवस तेजी के साथ बंद हुआ था।

2019 के बाद से सीईओ का वेतन 50 और कर्मचारियों का महज 0.9 फीसदी बढ़ा; ऑक्सफैम की रिपोर्ट

नई दिल्ली (ए.)। भारत में कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी सीईओ का औसत वेतन सालाना 17 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि वैश्विक सीईओ के औसत वेतन में 2019 के बाद से 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। असमानता का आलम यह है कि इसी दौरान कर्मचारियों का वेतन केवल 0.9 फीसदी ही बढ़ा है।

ऑक्सफैम की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि एक अरबपति एक घंटे में एक औसत कर्मचारी की पूरे साल की कमाई से अधिक आय अर्जित करता है। आयरलैंड और जर्मनी में सबसे अधिक वेतन पाने वाले सीईओ हैं। 2024 में इनका औसत वेतन क्रमश: 67 लाख डॉलर और 47 लाख डॉलर रहने का अनुमान है। दक्षिण अफ्रीका में सीईओ का औसत वेतन 2024 में 16 लाख डॉलर जबकि भारत में यह 20 लाख डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। ऑक्सफैम इंटरनेशनल के कार्यकारी निदेशक अमिताभ बेहर ने कहा, साल दर साल हम यही देखते हैं। सीईओ का वेतन आसमान छूता है, जबकि श्रमिकों के वेतन में कोई खास बढ़ोतरी नहीं होती। यह व्यवस्था ठीक उसी तरह काम कर रही है, जैसा कि इसे बनाया गया है। लाखों कामकाजी लोग किराया, भोजन और स्वास्थ्य सेवा का खर्च उठाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि अमीर और अमीर हो रहे हैं।

ऑडी वाहनों की कीमतें दो प्रतिशत तक बढ़ाएगी

नई दिल्ली (ए.)। लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी ऑडी इंडिया ने 15 मई से वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि विनिमय दर और कच्चे माल की लागत के प्रभाव को आंशिक रूप से कम करने के मकसद से कीमतों में इजाफा किया जा रहा है। देश में ऑडी इंडिया के सभी मॉडल की कीमतों में वृद्धि की जा रही है। ऑडी इंडिया के एक अधिकारी कहा कि विनिमय दर और कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण हम दो प्रतिशत तक का मूल्य समायोजन लागू कर रहे हैं। ऑडी इंडिया भारत में ए4, क्यू5, क्यू7 और आरएस ई-ट्रॉन जीटी सहित विभिन्न मॉडल बेचती है। यह बढ़ोतरी ग्राहकों के लिए नए वाहन की खरीद पर असर डालेगी।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपया 23 पैसे की बढ़त के साथ ही 84.31 पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.98 पर खुला। फिर बढ़त के साथ 83.77 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 77 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.54 पर बंद हुआ था। महाराष्ट्र दिवस' के अवसर पर गुरुवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.97 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अप्रैल में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सर्वाधिक 2.37 लाख करोड़ रुपये रहा जो घरेलू मांग की बेहद स्थिति को दर्शाता है। इसके अलावा विदेशी पूंजी प्रवाह से घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख ने भी भावनाओं को और बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि हालांकि, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में कोई भी वृद्धि तेजी से लाभ को उलट सकती है और रुपये पर दबाव डाल सकती है जैसा कि पिछले भू-राजनीतिक प्रकरणों में हुआ था।

दो साल पहले वापस लिए गए 2000 रुपये के नोट अब भी प्रचलन में; आरबीआई ने किया खुलासा, जानिए सबकुछ

नई दिल्ली(ए.)। रिजर्व बैंक की ओर से 2000 रुपये का नोट वापस लिए जाने के दो साल बाद भी 6,266 करोड़ रुपये के ये नोट प्रचलन में हैं। आधिकारिक आंकड़ों में इसकी पुष्टि की गई है। आरबीआई के अनुसार 2000 रुपए के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी।

शुक्रवार को एक बयान में, आरबीआई ने कहा कि प्रचलन में 2000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य, जो कि 19 मई 2023 को कारोबार बंद होने पर 3.56 लाख करोड़ रुपये था।, जब वापसी की घोषणा की गई थी, 30 अप्रैल 2025 को कारोबार बंद होने पर घटकर 6,266 करोड़ रुपये हो जाएगा।

सोना 93000 के करीब पहुंचा, चांदी ने भी मारी छलांग

- वैश्विक बाजार में भी सोने-चांदी के भाव में तेजी

नई दिल्ली (ए.)। बीते कुछ दिनों से सोने-चांदी की कीमतों में आ रही गिरावट शुक्रवार को थम गई है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 92,850 रुपये, जबकि चांदी के भाव 95,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 496 रुपये की तेजी के साथ 92,835 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 92,339 रुपये था। इस समय यह 531 रुपये की तेजी के साथ 92,870 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 460 रुपये की तेजी के साथ 95,189 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 94,729 रुपये था। इस समय यह 496 रुपये की तेजी के साथ 95,225 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,247.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,222.20 डॉलर प्रति औंस था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.38 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 32.18 डॉलर था। इस समय यह 0.44 डॉलर की तेजी के साथ 32.62 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

भारत के सामने असल चुनौती

यह दुर्भाग्यपूर्ण हकीकत है कि आतंकवादी जब-तब हमारे सुरक्षा घेरे में छिद्र ढूंढने में कामयाब होते रहे हैं। इस मोर्चे पर कहां चूक रह जाती है और इन छिद्रों को कैसे भरा जाए- भारत के सामने असल चुनौती यह है।पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सख्त संदेश देते हुए पांच महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनके तहत सिंधु जल संधि को लंबित अवस्था में डाल दिया गया है, अटारी चौकी को बंद कर दिया गया है, अब पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा रियायत योजना की सुविधा नहीं मिलेगी, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में तैनात रक्षा, सेना, नौ सेना और वायु सेना सलाहकारों को भारत से जाने को कहा गया है और इस्लामाबाद स्थित अपने सलाहकारों को भारत वापस बुला रहा है; तथा दोनों स्थानों पर उच्चायोगों में कर्मचारियों की संख्या 55 घटा कर 30 करने का फैसला हुआ है।इनके बीच सिंधु जल संधि को निलंबित करने का व्यवहार में क्या असर होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। योजना अगर भारत से पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोकना है, तो उसके लिए ढांचा बनाना होगा, जो तुरंत नहीं हो सकता। वैसे भी यह विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुआ करार है, जिसे अंतरराष्ट्रीय पंचाट में ले जाने का पाकिस्तान को अधिकार है।बाकी निर्णयों के जरिए दिए गए सख्त पैगाम संभवत: जितना पाकिस्तान के लिए है, उतना ही भारत की नाराज जनता के लिए भी। बहरहाल, इन कदमों से आतंकवाद की कमर तोड़ने में क्या मदद मिलेगी, यह साफ नहीं है। भारत इस नतीजे पर है कि पहलगाम हमला लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े दहशतगर्दों ने किया, जिन्हें पाकिस्तान का संरक्षण हासिल है।इसलिए पाकिस्तान को सख्त संदेश देना तो जरूरी है, फिर भी अंतिम उद्देश्य आतंकवादी संगठनों और उनके समर्थक ढांचे को ध्वस्त करना होना चाहिए। उसके लिए सरकार की क्या योजना है, इसको लेकर अस्पष्टता बनी हुई है। अतीत में सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट ऑपरेशन जैसे कदम भी सख्त संदेश देने के अलावा कुछ हासिल नहीं कर सके। यह दुर्भाग्यपूर्ण हकीकत है कि आतंकवादी जब-तब हमारे सुरक्षा घेरे में छिद्र ढूंढने में कामयाब होते रहे हैं। इस मोर्चे पर कहां चूक रह जाती है और इन छिद्रों को कैसे भरा जाए- भारत के सामने असल चुनौती यह है। चुनौती अपने लोगों को आतंक के साये से सुरक्षा देना है। आशा है, सरकार इसके लिए भी कारगर योजना बनाएगी।

नई दिल्ली में भारी बारिश के बीच आईटीओ के पास रिंग रोड पर ट्रैफिक जाम.

छिड़ी बहस संसद सर्वोच्च है या सुप्रीम कोर्ट ?

अजीत द्विवेदी

भारत में एक बार फिर संसद और सुप्रीम कोर्ट की सर्वोच्चता की बहस छिड़ी है। यह बहस कुछ कुछ वैसी ही है जैसे यह बहस कि, 'पहले पेड़ आया या बीज' या 'पहले अंडा आया या मुर्गी'! इस बहस का कभी कुछ हासिल नहीं होने वाला है। फिर भी इस बहस को समय समय पर चलाया जाता है कि संसद सर्वोच्च है या सुप्रीम कोर्ट? पिछले कुछ समय से यह बात ज्यादा सुनने को मिल रही है कि, 'संसद सर्वोच्च है' या 'देश के लोगों ने सांसदों, विधायकों को चुना है सरकार चलाने के लिए तो सुप्रीम कोर्ट को उसमें दखल नहीं देना चाहिए' या 'संसद कानून बनाने लगेगी तो संसद, विधानसभाओं में ताला लगा दिया जाए' या 'अब हमारे पास ऐसे जज हैं, जो सरकार चलाएंगे', आदि, आदि। सवाल है कि क्या सचमुच न्यायपालिका कानून बना रही है? क्या सचमुच सुप्रीम कोर्ट सरकार को काम नहीं करने दे रहा है और सबसे ऊपर क्या सचमुच संसद सर्वोच्च है और सुप्रीम कोर्ट उसकी सर्वोच्चता का अतिक्रमण कर रहा है? सबसे पहले इस वास्तविकता को समझ लेने की जरुरत है कि भारत में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में से कोई सर्वोच्च नहीं है। संविधान ने शक्तियों के पृथक्करण के मॉन्टेस्क्यू के सिद्धांत के आधार पर इन तीनों के बीच शक्तियों का बंटवारा किया है। सबकी जिम्मेदारी तय है और सबको एक दायरे में काम करना है। यह भी ध्यान रखने की बात है कि भारत में संसदीय शासन प्रणाली को अपनाया गया है लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि संसद सर्वोच्च है।

यह शासन की एक व्यवस्था है, जो संविधान पर आधारित है। असल में भारत में संवैधानिक लोकतंत्र को अपनाया गया है, जिसमें संविधान

सर्वोच्च है। सभी अंगों को संविधान के हिसाब से काम करना है और संविधान के प्रावधानों की व्याख्या, उसकी मूल भावना के संरक्षण और उसकी सर्वोच्चता को अक्षुण्ण रखने की जिम्मेदारी सुप्रीम कोर्ट को दी गई है। जिस समय केशवानंद भारती बनाम केरल सरकार के मामले की बहस चल रही थी उस समय देश के सबसे सम्मानित कानूनविदों में से एक ननी पालखीवाला ने संसद की सर्वोच्चता की दलील को खारिज करने के लिए जो कई तर्क दिए थे उनमे से एक यह तर्क यह भी था कि अगर संसद कानून बना कर लोकसभा का कार्यकाल बढ़ा दे तो कोई क्या करेगा? सोचें, अगर संसद में बहुमत वाली पार्टी कानून बना कर लोकसभा का कार्यकाल 20 साल कर दे तो इससे बचने का क्या रास्ता है?अगर सरकार कहे कि उसे जनता ने चुना है और उसके हाथ में सारी ताकत दी है इसलिए वह संघीय व्यवस्था को खत्म कर रही है या मौलिक अधिकारों को समाप्त कर रही है तो संविधान को इस हमले से बचाने का क्या रास्ता होगा? भारत के मामले में ऐसी कोई आशंका निर्मूल नहीं है। आखिर इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाई थी तो लोकसभा का कार्यकाल छह साल का कर दिया था। ऐसी स्थिति से बचने के लिए ही भारत के संविधान में न्यायिक समीक्षा का प्रावधान रखा गया है। राजनीति शास्त्र और संविधान का अध्ययन करने वालों को पता है कि भारत ने संसदीय प्रणाली ब्रिटेन से अपनाई है लेकिन न्यायिक समीक्षा का प्रावधान अमेरिका से लिया है। भारत में संविधान बनाने वालों ने अनुच्छेद 13, 32, 131, 136, 143, 226 और 246 के तहत न्यायिक समीक्षा का अधिकार सुप्रीम कोर्ट को दिया है।संविधान निर्माताओं की मंशा पूरी तरह से स्पष्ट है। उन्होंने अनुच्छेद 13 में लिखा कि संसद या विधानसभा से बनाया गया कोई कानून अगर मौलिक अधिकारों के खिलाफ है तो वह अमान्य और अवैध होगा। इसके बाद अनुच्छेद 32 में लिखा कि मौलिक अधिकारों के हनन की स्थिति में कोई भी व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट जा सकता है। इसी तरह अनुच्छेद 226 में लिखा है कि मौलिक अधिकार के हनन की स्थिति में कोई व्यक्ति हाई कोर्ट जा सकता है। ऐसे ही अनेक अनुच्छेद हैं, जिनमें कहीं केंद्र व राज्य के विवाद की स्थिति में या संविधान के 'बुनियादी ढांचे' पर हमले की स्थिति में सुप्रीम कोर्ट के दखल देने की व्यवस्था है। संविधान बनाने वालों ने अनुच्छेद 368 के जरिए संसद को यह अधिकार दिया कि समय के साथ अप्रासंगिक होते जाने वाले संवैधानिक प्रावधानों में वह संशोधन करे लेकिन उसे संविधान को नष्ट करने का अधिकार नहीं दिया गया है।

कश्मीर घाटी के लोग पाकिस्तान के खिलाफ आंदोलित

हरिशंकर व्यास

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद पिछले करीब चार दशक से चल रहा है। पिछली सदी में आठवें दशक के मध्य में इसकी शुरुआत हुई थी। उसके बाद करीब 40 साल में कोई मौका ऐसा नहीं आया, जब जम्मू कश्मीर में और खास कर कश्मीर घाटी के स्थानीय निवासियों के मन में पाकिस्तान के प्रति ऐसी नफरत पैदा हुई हो और उसका प्रकटीकरण भी हुआ हो, जितनी पहलगाम की घटना के बाद हुई है।

पहली बार ऐसा हुआ है कि कश्मीर घाटी के लोग पाकिस्तान के खिलाफ आंदोलित हुई। अपने हिंदू बिरादरान के साथ खड़े हुए और आतंकवादियों को अपना दुश्मन बताया। इससे पहले किसी न किसी रूप में आतंकवादियों को स्थानीय लोगों का समर्थन मिलता रहता है। वे अपने आर्थिक हितों और अपने जीवन से ज्यादा पाकिस्तान के इस नैरेटिव की लड़ाई लड़ते थे कि, 'कश्मीर उसके गले की नस है'।

पहलगाम में धर्म पूछ कर 27 हिंदुओं की हत्या किए जाने के बाद कश्मीरी आवाम आंदोलित हुआ है। हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरे और उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की। ऐसा नहीं है कि कोई पार्टी लोगों को मोबिलाइज कर रही थी। भाजपा ने भी अपनी ओर से कुछ प्रयास नहीं किया, जबकि उसके 29 विधायक हैं और वह एक बड़ी राजनीतिक ताकत है। लोग खुद ब खुद घरों से निकले और पाकिस्तान का विरोध किया। सबने एक स्वर में कहा कि यह हमला कश्मीरियत की भावना के ऊपर है।

जाहिर है इतने बड़े विरोध के पीछे एक कारण यह भी था कि पहली बार आतंकवादियों ने धर्म पूछ कर इतना बड़ा नरसंहार किया था और कश्मीर लोगों को भी इसके असर का अंदाजा होगा। लेकिन उसके साथ साथ एक कारण यह भी था कि आतंकवादियों ने इस अलिखित नियम का उल्लंघन किया था कि पर्यटकों या दूसरे बाहरी लोग, जो स्थानीय अर्थव्यवस्थ को सपोर्ट करते हैं उन पर हमला नहीं होना चाहिए।

पर्यटकों पर हमले का पहला असर तो यह हुआ है कि पर्यटन का हाई सीजन होने के बावजूद सारी बुकिंग रद्द होने लगी है। होटलों की 90 फीसदी बुकिंग रद्द हो गई है। हवाई जहाज की टिकटें कैंसिल की जा रही हैं। लोग श्रीनगर, पहलगाम, गुलमर्ग, सोनमर्ग आदि छोड़िए लोग वैष्णो देवी की यात्रा रद्द कर रहे हैं। सोचें, पिछले साल दो करोड़ 30 लाख पर्यटक कश्मीर गए थे। भारत के कुल 25 करोड़ लोगों ने घरेलू पर्यटन किया, जिसका 10 फीसदी अकेले कश्मीर गया था। इससे कितना राजस्व सरकार को और वहां के कारोबारियों को मिला होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

पिछले कुछ समय से जम्मू कश्मीर के बारे में धारणा बदली थी और अनुच्छेद 370 हटाए जाने का सकारात्मक असर दिखने लगा था। अनुच्छेद 370 हटाए जाने को जितने सहज रूप से वहां के आम लोगों ने स्वीकार किया और उसके बाद जैसे चुनाव के बाद लोकप्रिय सरकार का गठन हुआ उससे देश भर के लोगों में विश्वास बना और उन्होंने कश्मीर जाना शुरू किया। कश्मीर के लोग भी मुख्यधारा से जुड़ने लगे। वहां के नौजवान देश भर में पढ़ाई के लिए जाने लगे और अचानक अखिल भारतीय सेवाओं से लेकर खेल कूद में कश्मीरी नौजवानों की भागीदारी बढ़ गई। तभी वहां के स्थानीय कारोबारी, होटल वाले, टैक्सी वाले, खच्चर, घोड़े और डोली वाले सबकी जीविका पर खतरा मंडरा रहा है। कहीं भीड़ पर आतंकवादियों द्वारा गोली चलाना और कुछ लोगों को मार देना, बिल्कुल अलग मामला है लेकिन सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थल पर जाकर पर्यटकों से धर्म पूछ कर उनकी हत्या कर देना, अलग मामला है। इससे लोगों का मनोविज्ञान बहुत प्रभावित हुआ है। वे काफी समय तक कश्मीर जाने से कतराएंगे और इसका असर वहां के लोगों के जीवन पर पड़ेगा। तभी लोग इतने नाराज हुए। पहली बार ऐसा हुआ कि पूरा जम्मू कश्मीर बंद हुआ। पहलगाम की घटना के खिलाफ स्वंयस्फूर्त बंद रहा। यहां तक कि पाकिस्तान विरोधी नारे लगे और पाकिस्तान का झंडा जलाया गया। जिस तरह का गुस्सा देश के अन्य हिस्सों में दिख रहा है वैसा ही गुस्सा कश्मीर में भी दिख रहा है। कश्मीर लोगों का यह गुस्सा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सरकार के बहुत काम आ सकता है। इससे वहां आतंकवाद के खात्मे और स्थायी शांति की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

हिंसा और नफरत की बुनियाद पर बैठा पाकिस्तान अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह

संजीव ठाकुर

किसी बात से असहमत होना और उसका हिंसात्मक विरोध करना दोनों अलग-अलग पहलू है। पर पाकिस्तान ऐसा देश है जिसकी पैदाइश ही नफरत और हिंसा के आधार पर हुई है। स्वतंत्रता के बाद जिन्ना ने पाकिस्तान में आतंकवाद का बीज बोया था। पाकिस्तान का यह बड़ा दुर्भाग्य रहा है कि वहां 18 निर्वाचित प्रधानमंत्री में से किसी एक प्रधानमंत्री ने भी अपना पूरा 5 साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया। वहां मिलिट्री सत्ता ने हीं स्वतंत्रता के बाद पूरे 76 साल अपनी हुकूमत रखी और भारत के साथ नफरत करके लगातार तीन युद्ध हारा,अभी पाकिस्तान में हालात ये हैं कि उसके पास पीने के लिए पानी नहीं खाने के लिए रोटी दाल आटा भी नहीं है पेट्रोल डीजल और बिजली के दाम आसमान छूने लगे हैं पूरा देश कंगाली के दौर पर गुजर रहा है और इसके बाद भी वह आतंकवादियों का पोषक बना हुआ है और लगातार पूरे विश्व में पाकिस्तान के समर्थित आतंकवादी विध्वंस का काम कर रहे हैं। पहलगाम में आतंकवादियों ने 27 निर्दोष भारतीय पर्यटकों की निर्मम हत्या कर भारत सरकार एवं भारत के नागरिकों को उद्वेलित कर दिया अब भारत पाकिस्तान को समूल नष्ट करने की विचारधारा पर आ गया है किसी भी हाल में भारत सरकार और देश के नागरिक पाकिस्तान को बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं हैं। वर्तमान में पाकिस्तान के अस्तित्व पर संकट छा गया और उसका भविष्य खतरे में आ गया पाकिस्तान अपने आतंकवादियों के साथ नष्ट होने के कगार पर पहुंच चुका है। पूरा विश्व पाकिस्तान के विरोध में भारत के साथ खड़ा होकर भारत का समर्थन कर रहा हैद्य अब शायद पाकिस्तान और आतंकवाद का बचना लगभग नामुमकिन हैद्य विचारों से असहमति और विरोध का सबसे क्रूर और हिंसात्मक ताजा ताजा परिणाम फिलिस्तीन इजरायल युद्ध के रूप में सामने आया है जिसमें 30,000 लोगों की जान चली गई11और50,000 लोगों से ज्यादा घायल मानव शरीर कराह रहे हैं, दूसरी तरफ रूस यूक्रेन युद्ध ने दोनों देशों के लाखों लोगों को बेघर कर दिया है और हजारों लोगों की जान चली गई है।आखिर मानवता को क्या हो गया है इंसान इंसान का इतना बड़ा दुश्मन कैसे बन गया है। लोग एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए हैं। वैश्विक शांति में खलबली मच गई है।

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको पारिवारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा आपका सही मार्गदर्शन घर के सभी सदस्यों के दिल में एक-दूसरे के प्रति प्यार बढ़ा देगा। आज किसी को दिए पैसे आपको मिल जायेंगे इससे आपको आर्थिक सपोर्ट मिलेगा साथ ही आप कुछ नया खरीदने का विचार करेंगे।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज का दिन आपके फेवर में रहने से आपको ख़ुशी होगी जिस काम का रिजल्ट मिलने में देर हो रही थी आज उसका शानदार परिणाम मिलने के योग हैं। आज अपनी संतान को खुश देखकर आपको भी ख़ुशी होगी। आज आप घर के बड़े-बुजुर्गों का ख़ास ख्याल रखेंगे आपको भी अच्छा लगेगा।

मिथुन राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। छात्रों को आज करियर से रिलेटेड शुभ सूचना मिल सकती है। कॉलेज में आपकी एक्टिविटी से आपके दोस्त खुश होंगे। आज आप शाम के समय किसी व्यक्ति से मिलेंगे जिससे किसी इम्पोर्टेन्ट टॉपिक पर बात करेंगे। आज आप मार्किट से पूजा के लिये फूल ला सकते हैं। आज आप सकारात्मक विचारों से भरे रहेंगे। किसी भी फैसले में जल्दबाजी करने से बचें, बड़ों की राय जरूर लें।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको किसी व्यक्ति से बातचीत करके ख़ुशी मिलेगी साथ ही आप कुछ नया भी सीखने को पाएंगे। आज आप कोशिश करेंगे कि आपका व्यवहार सभी के प्रति अच्छा हो और किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचे। आज आप किसी महत्वपूर्ण काम के लिए किसी की मदद मांगेगे, आपका काम बन जायेगा। आज भावुकता में आकर निर्णय लेने से बचें।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। किसी भी काम को शुरूआत करने से पहले जीवनसाथी से राय-मशविरा कर लेने से अच्छा रहेगा। जो लोग आपकी प्रतिभा को कम आकते थे, आज उनको कुछ कर दिखाने का दिन है, आप जिस भी काम को करेंगे उसमे आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आज आपको संतान की संगति की ओर विशेष ध्यान देना होगा। कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप ऑफिस में किसी काम को आसानी से पूरा करेंगे जिससे आपके जूनियर और सीनियर सभी तारीफ करेंगे, आपका कॉन्फिडेंस बढेगा साथ ही आपकी रेस्पेक्ट में इजाफा होगा। आज किसी काम में जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपको ख़ुशी होगी, शाम को किसी रेस्टोरेंट में डिनर के लिए जा सकते हैं।

तुला राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज मित्र आपसे मिलने आपके घर आ सकते हैं जिसे सामने देखकर आपको यकीन नहीं होगा, मित्र से कुछ निजी समस्याओं पर बात करके आपको हल्का महसूस होगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए दिन बढ़िया होने वाला है आपको अच्छा फायदा होने के योग हैं। साझेदारी में किसी डील को फाइनल करना आपके लिए अच्छा रहेगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी काम में आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है आप ज्यादातर समय व्यस्त रहेंगे। आज कार्य स्थल पर आपकी मुलाकात ऐसे व्यक्ति से होगी जिससे मिलकर आपको अच्छा लगेगा। आज आप माता जी की इच्छा पूरी करेंगे, माता जी की ख़ुशी देखने लायक होगी। आप अपने कामों पर पूरा फोकस बनाए रखें।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज ऑफिस में आपकी तारीफ होगी और आपके काम करने की स्किल को सराहना मिलेगी। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके लिए बढ़िया साबित होंगे। आज आपको किसी काम को करने के लिये ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। जो लोग होटल या रेस्टोरेंट जैसे बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिये दिन पहले से बेहतर रहेगा।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्र तैयारी जारी रखेंगे।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपकी शिक्षा में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा, आपको ख़ुशी होगी। आज आप किसी मांगलिक कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था व विश्वास से आगे बढ़ेंगे।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताज़ा होंगी। आमोद-प्रमोद में आपका ज्यादा मन लगेगा। अर्थराईटिस की परेशानी से जुड़े लोगों को आज राहत मिलेगी। आज परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा।

जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

ललित गर्ग

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना के बाद मोदी सरकार लगातार पाकिस्तान को करारा जबाव देने की तैयारी के अति जटिल एवं संवेदनशील दौर में एकाएक जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लेकर न विपक्षी दलों को बल्कि समूचे देश को चौकाया एवं चमत्कृत किया है। सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा।

जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। भारत में जनगणना की शुरुआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी और 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन् 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं एवं विसंगतियां मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अवश्य इसका समर्थन किया। लेकिन अब एकाएक भाजपा को जातिगत जनगणना करना अपने हित में दिखाई दिया क्योंकि अपनी नीतियों एवं योजनाओं के बल पर भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों की गोलबंदी कर सत्ता का सफर आसान बनाया है।

जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी। जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गर्माया जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है। भले ही इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से भाजपा कैसे निपटेगी, यह बड़ी चुनौती उसके सामने है। वैसे भी इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे विवाद भाजपा के लिये एक नयी चुनौती बनेंगे। जाति आधारित जनगणना से भारतीय समाज के नये कोने-अंतरे-चुनौतियां सामने आयेगी। लेकिन जातिगत जनगणना के समर्थकों का मानना है कि यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है और उन्हें राजनीतिक आरक्षण भी मिला हुआ है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं इसकी गिनती नहीं होती है। जनगणना एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी एवं सतर्कता से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप-जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा।

निश्चित ही नयी राजनीतिक एवं नीतिगत स्थितियां समस्याएं खड़ी होगी। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है। इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए। यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। माना जाता है कि देश की आबादी में 52 फ़ीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं। ओबीसी समुदाय के नेताओं का मानना है कि इस हिसाब से उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी काफ़ी कम है। राजनीतिक दल इन समुदायों का समर्थन हासिल करने के लिए जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं।भारत में जाति जनगणना आजादी के बाद रुकी, पर अब सामाजिक न्याय, नीतिगत सुधार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए इसकी जरूरत महसूस की जा रही है। पारदर्शिता और सावधानी से किया गया यह कदम समावेशी विकास का आधार बन सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जाति आधारित जनगणना को एक समतामूलक समाज निर्माण के दृष्टिकोण से समर्थन देने के संकेत दिए हैं। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि यह संवदेनशील मामला है और इसका इस्तेमाल राजनीतिक या चुनावी उद्देश्यों के लिए नहीं बल्कि पिछड़ रहे समुदाय और जातियों के कल्याण के लिए होना चाहिए। जाति जनगणना के आंकडे प्रस्तुत होने से राजनीति और ब्यूरोक्रेसी में पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों की हिस्सेदारी कितनी कम है, यह डर संभवत: भाजपा को सता रहा था। लेकिन भाजपा का यह डर या तो खत्म हो गया है, या फिर उसने बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में चुनावी लाभ लेने के लिए ये क़दम उठाया है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शनिवार 03 मई 2025,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में बारिश बनी लोगों के लिए मुसीबत, ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई

नोएडा (आरएनएस)। शुक्रवार सुबह हुई झमाझम बारिश ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा की ट्रैफिक व्यवस्था को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। बारिश के बाद सड़कों पर जलभराव और फिसलन ने हालात और बिगाड़ दिए। इसका सीधा असर लोगों के दफ्तर जाने के समय पर पड़ा। जगह-जगह जाम की स्थिति बनी रही, जिससे हजारों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे रहा, जहां कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम देखा गया। एक्सप्रेसवे पर वाहनों की रफ्तार थम सी गई और वाहन रेंगते नजर आए। दलित प्रेरस्थल के सामने भी ट्रैफिक की स्थिति बेहद खराब रही। वहां पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं, जिससे स्थानीय लोग और ऑफिस जाने वाले यात्री घंटों तक फंसे रहे। कालिंदी कुंज बॉर्डर पर भी वाहनों की संख्या बढ़ने से स्थिति गंभीर हो गई। दिल्ली से नोएडा की ओर आने-जाने वाले लोगों को भारी जाम का सामना करना पड़ा। वहीं, ग्रेटर नोएडा वेस्ट के कई इलाकों, जैसे बिसरख, ईकोटेक, और टेक जोन में भी जाम की स्थिति देखने को मिली। नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने हालात पर काबू पाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। विभिन्न स्थानों पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है और ट्रैफिक को डायवर्ट करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, भारी वाहन और जलभराव की वजह से जाम खुलवाने में परेशानी आ रही है। दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें सामान्य से दोगुना समय लग रहा है। कुछ लोगों ने तो मेट्रो या बाइक का सहारा लिया, जबकि कई लोग समय पर दफ्तर नहीं पहुंच सके। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे जरूरी हो तभी यात्रा करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। मौसम विभाग ने भी अगले 24 घंटों में और बारिश की संभावना जताई है, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था पर और दबाव पड़ सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं और भारी बारिश का कहर, मौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट, कई फ्लाइट्स पर पड़ा असर

नोएडा (आरएनएस)। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में शुक्रवार सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश और आंधी-तूफान को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। इस कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाली और यहां उतरने वाली कई फ्लाइट्स पर भी इसका असर पड़ा है। कई फ्लाइट्स को या तो रद्द कर दिया गया है या फिर उन्हें डायवर्ट किया गया है।मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ घंटों में उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी भारत के कई हिस्सों में तेज आंधी, बिजली गिरने और भारी बारिश की संभावना जताई गई है। विशेष रूप से उत्तर पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दक्षिण-पश्चिम राजस्थान, ओडिशा, छत्तीसगढ़, दक्षिण गंगा तटीय पश्चिम बंगाल और उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश में खराब मौसम की चेतावनी दी गई है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में तेज हवाओं के कारण कई इलाकों में पेड़ और बिजली के खंभे गिरने की खबरें आई हैं। सड़कों पर जलभराव के चलते ट्रैफिक भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे एनसीआर क्षेत्रों में भी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग ने नागरिकों को घरों में सुरक्षित रहने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की सलाह दी है। साथ ही, कमजोर संरचनाओं से दूर रहने और बिजली गिरने की आशंका के चलते खुले इलाकों में शेल्टर लेने से मना किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह पश्चिमी विक्षोभ का असर है, जो इस समय उत्तर भारत के ऊपर सक्रिय है। इससे अगले 24 से 48 घंटों तक मौसम खराब रहने की संभावना है। सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग सतर्क हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। नागरिकों को मौसम विभाग के अपडेट्स पर नजर बनाए रखने और एहतियात बरतने की अपील की गई है। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में भी सुबह तेज हवाओं के साथ भारी बारिश दर्ज की गई, जिसके चलते जनजीवन प्रभावित हुआ और सड़क पर वाहनों को सुबह में भी हेडलाइट्स का प्रयोग करना पड़ा। ऐसे ही फिरोजाबाद में भी बिजली की गरज, तेज हवाओं और फिर भारी बारिश के चलते स्थानीय निवासियों में अफरा-तफरी मची रही। सुबह रोशनी काफी कम रही और दैनिक कार्य प्रभावित हुए।

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने 25 लाख की लूट में शामिल तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। क्राइम ब्रांच ने दिल्ली के आनंद पर्वत में चोरी के एक मामले में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी आदित्य गौतम के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीमों ने एक गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों को ट्रैक किया और इसके बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से कुछ नकदी भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, 30 अप्रैल को लुटेरों के एक समूह ने आनंद पर्वत स्थित एक घर में घुसकर करीब 25 लाख रुपए का सामान लूट लिया था। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के अन्य साथियों की पहचान कर रही है।इससे पहले, बीते 14 अप्रैल को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मुठभेड़ के बाद दो कुख्यात लुटेरों को गिरफ्तार किया था। ये आरोपी सुल्तानपुरी इलाके में हाल ही में हुई एक सनसनीखेज लूट और हत्या के प्रयास के मामले में वांछित थे। मुठभेड़ के दौरान आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग की थी, जिसमें दो पुलिसकर्मियों को गोली लगी। हालांकि, बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिससे दोनों आरोपी घायल हो गए और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा, 10 अप्रैल को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए दो कुख्यात स्नैचरों को गिरफ्तार किया था। दोनों स्नैचरों की पहचान गोलू उर्फ भोलू और अरुण उर्फ छोटा लुंगी के रूप में हुई, जो दिल्ली के मंगोलपुरी क्षेत्र के रहने वाले हैं।

इन दोनों स्नैचरों पर दिल्ली के विभिन्न जिलों में स्नैचिंग, डकैती और मोटरसाइकिल चोरी के करीब 25 मामलों में शामिल होने का आरोप है।

पहलगाम हमले पर मोदी सरकार की नीति स्पष्ट नहीं, सीडब्ल्यूसी बैठक के बाद केंद्र पर खड़गे का निशाना

नई दिल्ली (ए.)। कांग्रेस की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था सीडब्ल्यूसी शुक्रवार शाम को पहलगाम आतंकी हमले और केंद्र द्वारा घोषित जाति जनगणना से उत्पन्न स्थिति को लेकर बड़ी बैठक की। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बड़ा बयान सामने आया है। खड़गे ने साफ तौर पर कहा है कि पहलगाम हमले पर को लेकर मोदी सरकार की नीति स्पष्ट नहीं है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद 24 अप्रैल को CWC की तत्काल बैठक हुई थी। उसमें हमने संकल्प पास कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में और आतंकवादीयों को सबक सिखाने में सरकार को सभी संभव सहयोग देने की बात कही थी। खड़गे ने आगे लिखा कि पर इस घटना के कई दिन बाद भी सरकार की तरफ़ से कोई स्पष्ट रणनीति सामने नहीं आई है। राहुल गांधी जी ने कानपुर में शुभम द्विवेदी के परिवारजनों से मुलाकात की और सरकार से मारे गए लोगों को शहीद का दर्जा और सम्मान देने की माँग की है। उन्होंने कहा कि देश की एकता,

अखंडता और खुशहाली की राह में जो भी चुनौती बनकर आएगा, उसके ख़िलाफ़ हम एक होकर सख्ती से निपटेंगे। पूरा विपक्ष इस मसले पर सरकार के साथ है। हमने पूरी दुनिया को यही संदेश दिया है।

वहीं, जाति जनगणना को लेकर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने फिर साबित किया है कि हम अगर सच्चाई से लोगों के मुद्दों को उठाते हैं तो सरकार को झुकना ही पड़ता है। भूमि अधिग्रहण संशोधन विधेयक से लेकर तीन काले किसान क़ानून के वापसी के बाद जाति जनगणना भी इस कड़ी में शामिल हो गयी है, जिसमें एक हठी सरकार को एक बार फिर से झुकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना की सालों पुरानी हमारी मांग को सरकार ने माना, पर जो समय चुना गया उससे हमें आश्चर्य के साथ हैरानी भी हुई। जिस भाषा और भाव के साथ कई बातें कही गयीं, उसको लेकर भी कई संदेह हमारे दिल में पैदा हुए हैं।

खड़गे ने कहा कि जब 16 अप्रैल, 2023 को मैने प्रधानमंत्रीजी को चिट्ठी लिखकर इस बारे में माँग की थी तो सरकार इसके बिल्कुल ख़िलाफ़ थी। फिर अचानक हृदय परिवर्तन कैसे हुआ! हम यह कहेंगे कि हमारी बात देर से ही सही उनकी समझ में आई, इस बात की हमें खुशी है। पुरानी कहावत है देर आए दुरुस्त आए। उन्होंने कहा कि संसद के भीतर और बाहर लगातार राहुलजी ने अपने हर भाषण में इसकी माँग रखी। हमारे सभी साथियों ने इस बात को आगे बढाया। इसलिए मैं आप सभी को इसकी बधाई देता हूं। लेकिन यह हमारे लिए यह किसी जीत-हार या राजनीति का मुद्दा नहीं है। कांग्रेस हमेशा से ही देश के सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन और गरीबी के खिलाफ संघर्ष करती आ रही है। हमारे राजनीतिक एजेंडे का ये हिस्सा बना हुआ है।

केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू हनोई में संयुक्त राष्ट्र वेसाक दिवस समारोह से पहले भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को लेकर वियतनाम पहुंचे। पवित्र अवशेष 2 से 21 मई, 2025 तक वियतनाम में रहेंगे।

एनसीपी (एसपी) के जयंत पाटिल ने 'फुले' को टैक्स फ्री करने की उठाई मांग

मुंबई (आरएनएस)। शिक्षक, समाज सुधारक ज्योतिराव गोविंदराव फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित विवादित फिल्म 'फुले' को महाराष्ट्र में टैक्स फ्री करने की मांग की गई है। महाराष्ट्र एनसीपी (एसपी) के विधायक जयंत पाटिल ने इसे लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है। टैक्स फ्री की मांग को लेकर जयंत पाटिल ने अपने पत्र में कहा कि 25 अप्रैल को निर्देशक अनंत महादेवन की फिल्म 'फुले' सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसे दर्शक पसंद कर रहे हैं। हमारी मांग है कि इस फिल्म को टैक्स फ्री किया जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसे देख सकें। महाराष्ट्र सीएम को सौंपे गए पत्र में उन्होंने लिखा, सर, महात्मा फुले और सावित्रीबाई का इतिहास दलितों के लिए पानी की टंकी खोलने, शिक्षा के लिए दरवाजे खोलने, महिला शिक्षा के लिए कदम उठाने तक ही सीमित नहीं है।

राम पथ पर अब नहीं बिकेगी शराब और मांस, इनरवियर के विज्ञापन पर भी रोक

अयोध्या (ए.)। अयोध्या नगर निगम ने राम पथ के 14 किलोमीटर लंबे हिस्से में शराब और मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें अयोध्या शहर को अयोध्या छावनी और फैजाबाद शहर से जोड़ने वाली सड़कें शामिल हैं। महापौर, उप महापौर और 12 पार्षदों वाली कार्यकारी समिति द्वारा पारित प्रस्ताव में पान, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट की बिक्री और अंडरगारमेंट्स के विज्ञापनों पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। निगम के मुताबिक यह फैसला शहर की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखकर लिया गया है। अयोध्या के मेयर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि प्रतिबंध के बारे में निर्णय अयोध्या के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) को औपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है, जो अब इसके कार्यान्वयन पर निर्णय लेंगे। मेयर ने कहा कि पार्षदों ने प्रस्ताव दिया कि चूंकि भगवान राम के नाम पर इस 14 किलोमीटर लंबे मार्ग का नाम राम पथ रखा गया है, इसलिए इस पर ऐसी वस्तुओं की बिक्री हमारे सांस्कृतिक अनुशासन के अनुरूप नहीं होगी। इसलिए, हमने एक प्रस्ताव पारित किया है और राम पथ पर शराब की बिक्री रोकने के लिए डीएम को एक पत्र भेजा है। इसके अलावा, हमने जिला प्रशासन से राम पथ से मांस की दुकानों को हटाने का भी आग्रह किया है।

हालांकि, जिला प्रशासन ने अभी तक इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अयोध्या शहर में लंबे समय से मांस और शराब की बिक्री बंद है। हालांकि, सरयू नदी के तट से शुरू होकर फैजाबाद शहर में प्रवेश करने वाले राम पथ पर कच्चे मटन और चिकन की बिक्री के साथ-साथ शराब की बिक्री का भी कारोबार खूब है। फैजाबाद शहर में राम पथ के 10 किलोमीटर लंबे हिस्से में दोनों तरफ शराब की कई दुकानें हैं, साथ ही मांसाहारी भोजन परोसने वाले प्रमुख रेस्तरां और होटल भी हैं। गुटखा और अंडरगारमेंट्स के विज्ञापन वाले होर्डिंग भी लगे हैं।

कांग्रेस-भाजपा की नीयत बहुजन के प्रति साफ होती तो ओबीसी समाज की देश के विकास में उचित भागीदारी होती : मायावती

लखनऊ, (आरएनएस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती जातीय जनगणना को लेकर हमलावर दिखाई दी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एवं भाजपा आदि की अगर नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति पाक-साफ होती तो ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बन गया होता।बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि काफी लंबे समय तक ना-ना करने के बाद अब केंद्र द्वारा राष्ट्रीय जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी कराने के निर्णय का भाजपा व कांग्रेस आदि द्वारा इसका श्रेय लेकर खुद को ओबीसी हितैषी सिद्ध करने की होड़, जबकि इनके बहुजन-विरोधी चरित्र के कारण ये समाज अभी भी पिछड़ा, शोषित व वंचित है। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस एवं भाजपा आदि की अगर नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति पाक-साफ होती तो ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बन गया होता, जिससे इनके मसीहा परमपूज्य बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर का 'आत्म-सम्मान व स्वाभिमान' का मिशन सफल होता हुआ जरूर दिखता।

एजाज खान के 'हाउस अरेस्ट' पर भड़कीं महाराष्ट्र भाजपा महिला अध्यक्ष, 'अश्लील' शो पर प्रतिबंध लगाने की मांग

मुंबई (आरएनएस)। बिग बॉस 7 के पूर्व प्रतियोगी और एक्टर एजाज खान अपने अश्लील शो 'हाउस अरेस्ट' को लेकर मुश्किल में फंस गए हैं। महाराष्ट्र भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष चित्रा वाघ ने रियलिटी सीरीज पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने इस शो को अश्लीलता का प्रतीक बताया है। चित्रा वाघ ने एक्स पर शो का एक क्लिप शेयर किया। इस क्लिप में एजाज प्रतियोगियों के साथ अशोभनीय बातचीत करते और उन्हें आपत्तिजनक सीन करने के लिए उकसाते नजर आ रहे हैं।उन्होंने एक्स पर लिखा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अश्लीलता को खुली छूट देना बंद करें! एजाज खान के शो 'हाउस अरेस्ट' पर प्रतिबंध लगाएं।उन्होंने कहा, एजाज खान खुद को अभिनेता कहते हैं और उनका शो 'हाउस अरेस्ट' अश्लीलता की पराकाष्ठा है। यह शो उल्लू ऐप पर स्ट्रीम होता है और इसके क्लिप अब सोशल मीडिया पर खुलेआम घूम रहे हैं, जो बेहद घिनौने हैं। ऐसा कंटेंट बच्चों के मोबाइल पर आसानी से उपलब्ध है।चित्रा वाघ का कहना है कि इस तरह के शो सांस्कृतिक मूल्यों को नीचा दिखाते हैं और भविष्य की पीढ़ियों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं।उन्होंने कहा, ऐसे शो न केवल हमारी संस्कृति का अपमान हैं, बल्कि हमारे समाज के नैतिक स्वास्थ्य पर भी हमला हैं।

ये भविष्य की पीढ़ियों के दिमाग पर हमला हैं।

उन्होंने सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव से ऐसे ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, मैं सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव से आग्रह करती हूं कि वे न केवल उल्लू ऐप बल्कि ऐसे सभी ऐप पर तुरंत प्रतिबंध लगाएं, जो इस प्रकार की सामग्री बनाते हैं। 'हाउस अरेस्ट' केवल सामग्री नहीं है, यह हमारे समाज के मूल्यों पर हमला है।

गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया आईआईसीटी के साथ सहयोग कर रहे हैं : वैष्णव

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार द्वारा स्थापित भारतीय क्रिएटिव टेक्नोलॉजी संस्थान (आईआईसीटी) को वैश्विक स्तर की सात प्रमुख कंपनियों गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, एप्पल, मेटा, स्टार इंडिया और एडोबी का सहयोग मिला है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को मुंबई में आयोजित पहले वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) में यह जानकारी दी। वैष्णव ने कहा कि आईआईसीटी को एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान उद्योग जगत के साथ मिलकर देश के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करेगा। मंत्री ने कहा कि भारत में लगभग चार करोड़ क्रिएटर्स हैं और वेव्स समिट में 60 देशों के एक लाख से अधिक क्रिएटर्स ने हिस्सा लिया। वैष्णव ने कहा कि रचनात्मकता की दुनिया गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। वैष्णव ने कहा कि वेव्स का उद्देश्य दुनिया भर के रचनाकारों को एक मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा, इससे नई प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी मिलेगी।

हमारी सरकार सिर्फ बोलती ही नहीं है, बल्कि कार्रवाई भी करती है : दिलीप घोष

कोलकाता (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के नेता दिलीप घोष ने शुक्रवार को पहलगाम हमले के संदर्भ में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सिर्फ बोलते नहीं हैं, बल्कि करके भी दिखाते हैं। सरदार पटेल के बाद तो लोग भूल ही गए थे कि देश में कोई गृह मंत्री का भी पद होता है, लेकिन जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई, उससे लोगों को गृह मंत्री के पद का एहसास हुआ।भाजपा नेता ने ये बातें पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कही, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंकियों का समूल नाश किया जाएगा। उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अब समय आ चुका है कि आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारें। इसके अलावा, भाजपा नेता दिलीप घोष ने ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के उस बयान पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार कह रही है कि हम आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शेंगे नहीं, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि अगर केंद्र सरकार आतंकियों के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं कर पाई, तो फिर भाजपा उनके घर में घुस जाएगी।

राजस्थान में बदला मौसम का मिजाज : तेज आंधी-बारिश से राहत और तबाही दोनों, कई जिलों में ओलावृष्टि की चेतावनी

जयपुर, (आरएनएस)। राजस्थान में गर्मी से तपते आमजन को जहां शुक्रवार सुबह कुछ राहत मिली, वहीं तेज आंधी और बारिश ने कई जिलों में कहर भी बरपाया। जयपुर, भरतपुर, अलवर, झुंझुनूं सहित अनेक जिलों में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली तेज हवाओं ने पेड़, बिजली के पोल और सोलर पैनल तक गिरा दिए। इसके साथ ही तापमान में गिरावट आई है और मौसम सुहावना हो गया है।

जयपुर में तूफान की चपेट में आए इलाके

राजधानी जयपुर में सुबह से ही मौसम ने करवट ली। अजमेर रोड और खातीपुरा इलाकों में पेड़ गिरने से ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित हुई, जबकि हरमाड़ा क्षेत्र में बीती रात तेज हवाओं के कारण घरों और खेतों में लगे सोलर पैनल बिखर गए। सड़कों पर जगह-जगह पेड़ों के गिरने से यातायात भी अवरुद्ध हो गया।

मौसम विभाग का अलर्ट

मौसम विभाग ने शुक्रवार को राजस्थान के अधिकांश जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। सिर्फ प्रतापगढ़, डूंगरपुर और बांसवाड़ा को इससे अलग रखा गया है। बाकी सभी जिलों में तेज आंधी और बारिश की संभावना बनी हुई है। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है।

कहां-कहां और कितनी बारिश हुई ?

पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा बारिश भरतपुर जिले के कामां कस्बे में दर्ज की गई, जहां 77 मिमी (करीब 3 इंच) बारिश हुई। अन्य प्रमुख स्थानों पर हुई बारिश-जयपुर, दौसा, चूरू, हनुमानगढ़, भीलवाड़ा जैसे कई शहरों में 1 से 10 मिमी तक वर्षा हुई। जैसलमेर में तेज आंधी से कई स्थानों पर बिजली के पोल गिर गए, जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित रही। कुछ क्षेत्रों में घंटों तक बिजली नहीं रही, जिससे लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने भारी बारिश के बाद सड़कों का निरीक्षण किया

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को भारी बारिश के बाद मजनू का टीला इलाके का दौरा किया और अधिकारियों को मानसून के आगामी मौसम में जलभराव को रोकने के लिए गड्ढों को भरने एवं सीवर की मरम्मत का काम शुरू करने का निर्देश दिया। गुप्ता ने कहा, ''नालियों के जाम होने और सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के कारण दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव एक समस्या है।'' उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सभी संवेदनशील स्थानों की तुरंत पहचान करें और नालियों से गाद निकालने एवं सड़कों की मरम्मत या निर्माण करने जैसे आवश्यक कार्य शुरू करें ताकि मानसून के दौरान ऐसी समस्याओं से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी विधायक जलभराव की समस्या का आकलन करने और उसका समाधान करने के लिए अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे हैं।

नई दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के दौरान संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक, कांग्रेस सांसद जयराम रमेश.

मुसलमानों और कश्मीरियों के पीछे न पड़ें', दिवंगत नेवी अफसर विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी की बड़ी अपील

नई दिल्ली (ए.)। नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल उन 26 लोगों में से एक थे, जो 16 अप्रैल को अपनी शादी के छह दिन बाद 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए थे। यह हमला उस समय हुआ जब नरवाल और उनकी पत्नी हिमांशी, जो अपने हनीमून पर थे, अनंतनाग जिले में स्थित एक खूबसूरत रिट्रीट में सैर कर रहे थे। 26 वर्षीय नरवाल को उनकी पत्नी के सामने ही गोली मार दी गई, जब आतंकवादियों ने उनके धर्म की पुष्टि की। अधिकारी को पूरे सैन्य सम्मान के साथ दफनाया गया और उनकी अस्थियों को 25 अप्रैल को हरिद्वार में हर की पौड़ी पर गंगा में विसर्जित किया गया। गुरुवार को, जो उनका 27वां जन्मदिन होता, दिवंगत अधिकारी की पत्नी ने एक ऐसे राष्ट्र के सामने एक भावनात्मक और साहसी अपील जारी की, जो अभी भी हमले की बर्बरता को स्वीकार कर रहा है। गुरुग्राम की पीएचडी स्कॉलर हिमांशी नरवाल ने कहा, हम नहीं चाहते कि लोग मुसलमानों या कश्मीरियों के खिलाफ जाएं। हम शांति चाहते हैं और केवल शांति। बेशक, हम न्याय चाहते हैं। लेफ्टिनेंट नरवाल 2022 में नौसेना में शामिल होने के बाद पिछले डेढ़ साल से कोच्चि में दक्षिणी नौसेना कमान में सेवा दे रहे थे। नौसेना ने एक आधिकारिक बयान में उन्हें एक समर्पित और साहसी अधिकारी बताया, जिन्होंने सम्मान के साथ अपने देश की सेवा की। पहलगाम हमले, जिसका भारतीय जांचकर्ताओं ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों से संबंध होने का पता लगाया है, ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच तनाव को काफी हद तक बढ़ा दिया है, अमेरिका ने दोनों देशों से शत्रुता को कम करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया है।

मौनी रॉय ने साझा किया डरावना अनुभव

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों अपनी आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूतनी के प्रमोशन में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ सनी कौशल, पलक तिवारी और संजय दत्त भी नजर आएंगे। हाल ही में अपने एक साक्षात्कार में मौनी ने अपने साथ हुई एक बेहद डरावनी घटना का जिक्र किया, जिसने उन्हें भीतर तक हिला कर रख दिया था। मौनी ने बताया कि एक बार वह एक छोटे शहर में थीं, जहां उनके होटल के कमरे में रात के समय एक अनजान व्यक्ति जबरदस्ती घुसने की कोशिश कर रहा था।

मौनी ने इस घटना को याद करते हुए बताया कि किसी तरह उस शख्स ने उनके कमरे की चाबी चुरा ली थी और दरवाजा खोलने की कोशिश कर रहा था। इस समय मौनी अकेली नहीं थीं, उनकी मैनेजर भी उनके साथ मौजूद थीं। जब दोनों ने देखा कि कोई व्यक्ति अंदर घुसने की कोशिश कर रहा है, तो उन्होंने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। इससे वह व्यक्ति भाग गया और तुरंत होटल रिसेप्शन को बुलाया गया। उन्होंने आगे बताया कि रिसेप्शनिस्ट ने इस स्थिति को बहुत ही कैजुअल ढंग से लिया और कहा कि शायद वह कोई हाउसकीपिंग स्टाफ रहा होगा। इस पर मौनी ने सवाल उठाया कि भला कौन सा हाउसकीपिंग स्टाफ बिना नॉक किए, बिना बेल बजाए, रात के 12:30 बजे दरवाजा खोलने की कोशिश करता है। मौनी ने इस अनुभव को बेहद डरावना बताया और कहा कि यदि उनकी मैनेजर साथ नहीं होती, तो हालात और खराब हो सकते थे।

इसके साथ ही मौनी ने ट्रोलिंग को लेकर भी बात की, जहां हाल ही में उनके लुक्स को लेकर कई लोगों ने सोशल मीडिया पर उन्हें निशाना बनाया था और यह तक कह डाला कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। इस पर मौनी ने बेबाकी से जवाब दिया कि वह इस तरह की ट्रोलिंग को देखती ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को स्क्रीन के पीछे बैठकर दूसरों को ट्रोल करने से खुशी मिलती है, तो उन्हें ऐसा करने देना चाहिए, लेकिन वह इन बातों से प्रभावित नहीं होतीं।

फजीहत के बाद छवि सुधारने को वाणी ने किया ये काम, इंस्टाग्राम से हटाई 'अबीर गुलाल' की सारी पोस्ट

वाणी कपूर को लेकर जब से यह खबर आना शुरू हुई कि फिल्म 'अबीर गुलाल' में वे पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान के साथ स्क्रीन साझा करेंगी, तभी से एक दर्शक वर्ग में उनके प्रति नाराजगी का भाव था। भारत में फिल्म की रिलीज का भी विरोध हो ही रहा था, जिसमें कुछ राजनीतिक दलों ने साफ कह दिया था कि वे देश में इस फिल्म की रिलीज का विरोध करेंगे। फिर, 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला हुआ। इसके बाद वाणी कपूर को जमकर ट्रोल किया गया। फिल्म 'अबीर गुलाल' की रिलीज पर तो खैर प्रतिबंध लग ही चुका है। वाणी भी अब समझ चुकी हैं कि अब इस फिल्म को लेकर बात करना भी ठीक नहीं, लिहाजा उन्होंने इससे जुड़े पोस्ट भी हटा लिए हैं।

अपनी लव लाइफ को लेकर पलक तिवारी का खुलासा

जिस लड़के को पसंद किया, उसे 2000 इंस्टाग्राम प्रोफाइल्स स्क्रॉल कर ढूंढा

मुंबई (ए.)। टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी अक्सर अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी लव लाइफ से जुड़ा एक मजेदार और पागलपन भरा किस्सा शेयर किया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पलक ने खुलकर बताया कि किस तरह उन्होंने एक अनजान लड़के को सिर्फ एक इंस्टाग्राम स्टोरी में देखकर ढूंढ निकाला और डेट भी किया।

पलक ने अपनी बातचीत में बताया कि मैंने एक लड़के को देखा और मुझे लगा कि अरे यार, ये तो बहुत क्यूट है। लेकिन मुझे उसका नाम तक नहीं पता था। मैंने उसे एक बार ही देखा था, वो भी एक अजनबी की इंस्टाग्राम स्टोरी में। उन्होंने आगे बताया कि उस लड़के को टैग नहीं किया गया था, लेकिन वह जिस इंसान की स्टोरी में नजर आया, वह 2000 लोगों को फॉलो करता था। पलक बोलीं, आप यकीन नहीं करोगे, मैंने उन 2000 फॉलोइंग में से हर एक को स्क्रॉल किया ताकि उस लड़के को ढूंढ सकूं। मैंने ये सब अपने लिए किया - किसी और के लिए ऐसा कभी नहीं कर सकती थी। आखिरकार, पलक ने उस लड़के को ढूंढ निकाला और उन्होंने उसे डेट भी किया। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि उनका रिलेशनशिप ज्यादा दिनों तक नहीं चला। पलक ने उस लड़के का नाम उजागर नहीं किया। गौरतलब है कि पलक का नाम अक्सर सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान से जोड़ा जाता है। दोनों को कई बार साथ देखा गया है और उनकी वैकेशन की तस्वीरें भी वायरल हो चुकी हैं, हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते को कभी ऑफिशियली स्वीकार नहीं किया।

खेसारी के नए गाने का टीजर जारी, महबूबा पर सिगरेट के धुएं के छल्ले छोड़ते नजर आए भोजपुरी सुपरस्टार

हाल के दिनों में बॉलीवुड की फिल्मों के टीजर, पोस्टर आदि में लीड कलाकार मुंह में सिगरेट सिगार दबाए नजर आ रहे हैं। ऐसे ढेरों पोस्टर हैं। भोजपुरी सिनेमा में भी अब यह चलन दिख रहा है। खेसारी लाल यादव के नए गाने के आज रिलीज हुए टीजर में एक्टर का अंदाज कुछ-कुछ ऐसा ही है। वे अपनी महबूबा के मुंह पर सिगरेट के छल्ले बनाकर छोड़ते दिख रहे हैं।

यहां देख सकेंगे गाने का टीजर

भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव अपने नए गाने के साथ एक बार फिर दर्शकों के बीच पहुंच रहे हैं। उनका गाना 'शाम है धुआं धुआं' कल शनिवार को रिलीज होगा। इससे पहले टीजर आज जारी हो चुका है और इसने गर्दा उड़ा दिया है। टी-सीरीज हमार भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर इस गाने का टीजर रिलीज हुआ है।

दर्शकों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया

'शाम है धुआं धुआं' गाने को खुद खेसारी लाल ने सृष्टि भारती के साथ मिलकर गाया है। इस गाने को खेसारी और पारुल यादव पर फिल्माया गया है। रिलीज होने के चंद ही घंटों में इस टीजर को सवा लाख से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। दर्शकों से भी इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और गाने की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

'अग्नि परीक्षा' में नजर आएंगे खेसारी

खेसारी की गिनती भोजपुरी इंडस्ट्री के चोटी के कलाकारों में होती है। उनकी अदाकारी और गायकी, दोनों के दर्शक दीवाने हैं। अभिनेता की अगली फिल्म है, 'अग्नि परीक्षा'। हाल ही में मेकर्स ने इसकी पहली झलक साझा की। लाल बाबु पंडित के निर्देशन में बनी इस फिल्म में खेसारी के साथ आकांक्षा पुरी, नीलम गिरी और सुशील सिंह भी नजर आएंगे।

कभी कॉलेज नहीं गईं सोनम कपूर, अब बच्चे के लिए कर रही ये बड़ा काम

सोनम कपूर दो साल के बच्चे वायु कपूर आहूजा की मां हैं। सोनम कपूर कभी कॉलेज नहीं गईं। इसका उन्हें पछतावा है। हाल ही में उन्होंने बताया है कि वह अपने बच्चे के लिए बड़ा काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके पति आनंद आहूजा ने हाल ही में उन्हें पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के एक स्कूल का दौरा कराया। इससे उन्हें ईर्ष्या हुई।

बेटे को पाठक बनाना चाहती हैं सोनम

वोग इंडिया से बातचीत में सोनम कपूर ने बताया 'मेरे पति पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय में व्हार्टन गए थे। जब उन्होंने हाल ही में मुझे परिसर घुमाया, तो पहली बार मुझे ईर्ष्या महसूस हुई। इसलिए मैं वायु की शिक्षा के लिए पैसे बचा रही हूं। मैं चाहती हूं कि वह एक पाठक बने।

सोनम कपूर नहीं चाहती हैं कि उनका बच्चा भी उनकी तरह पढ़ाई न करे। इसलिए वह अभी से उसके लिए पैसे बचा कर रख रही हैं ताकि वह अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा दिला सकें।

सोनम ने 12वीं के बाद छोड़ दी पढ़ाई

साल 2015 में एक इंटरव्यू में सोनम कपूर ने बताया था कि उनको अपनी जिंदगी में सबसे बड़ा पछतावा इस बात का है कि उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की। सोनम ने 12वीं तक की पढ़ाई की। इसके बाद वह अभिनेत्री बन गईं। उनके मुताबिक उन्हें चार सालों तक रुकना चाहिए था।

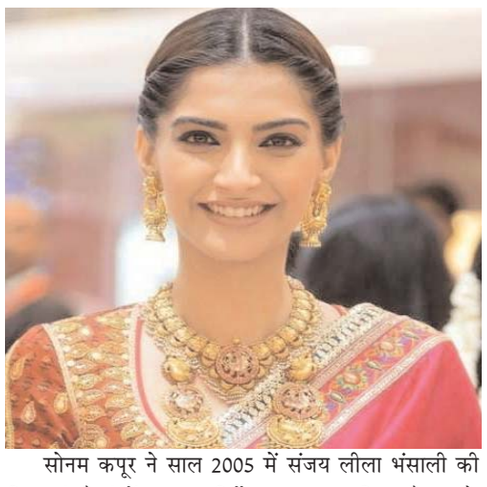

सोनम कपूर ने साल 2005 में संजय लीला भंसाली की फिल्म 'ब्लैक' में सहायक निर्देशक का काम किया है। इसके बाद उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'सांवरिया' 2007 में अभिनय किया।

सोनम और आनंद की शादी

सोनम कपूर और आनंद आहूजा की शादी साल 2018 में हुई थी। दोनों ने 2022 में बेटे वायू का स्वागत किया। दोनों सोशल मीडिया पर अपने बच्चे की तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। सोनम कपूर का बच्चा पिछले साल अगस्त में दो साल का हो गया। इस मौके पर उन्होंने उसकी एक वीडियो शेयर किया। वीडियो के साथ उन्होंने एक बेहतरीन नोट लिखा। ये वीडियो काफी वयरल हुआ।

द दिल्ली फाइल्स की रिलीज टली, विवेक अग्निहोत्री बोले- तारीख नहीं, फिल्म महत्वपूर्ण है

विवेक अग्निहोत्री बॉलीवुड के उन निर्देशकों में शुमार हैं, जो अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह काफी समय से फिल्म द दिल्ली फाइल्स को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।उनकी यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर यानी 15 अगस्त, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज को टाल दिया है। इसकी पुष्टि खुद अग्निहोत्री ने की है।इसके साथ उन्होंने रिलीज टलने का कारण भी बताया।अग्निहोत्री ने बताया द दिल्ली फाइल्स को इस साल अगस्त में ही रिलीज किया जाएगा, लेकिन 15 अगस्त को नहीं।ऐसे में अब बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना ऋतिक रोशन की वॉर 2 और रजनीकांत की कुली से नहीं होगा।अग्निहोत्री ने कारण बताते हुए कहा, हम शेड्यूल से पीछे चल रहे हैं। फिल्म 15 अगस्त को रिलीज नहीं हो पाएगी। मैं कोशिश कर रहा है। देखते हैं, क्या होता है। बहुत ज्यादा देर नहीं होगी।

गर्मी में वैक्सिंग करते समय रखें इन बातों का ध्यान, नहीं होगी जलन और असुविधा

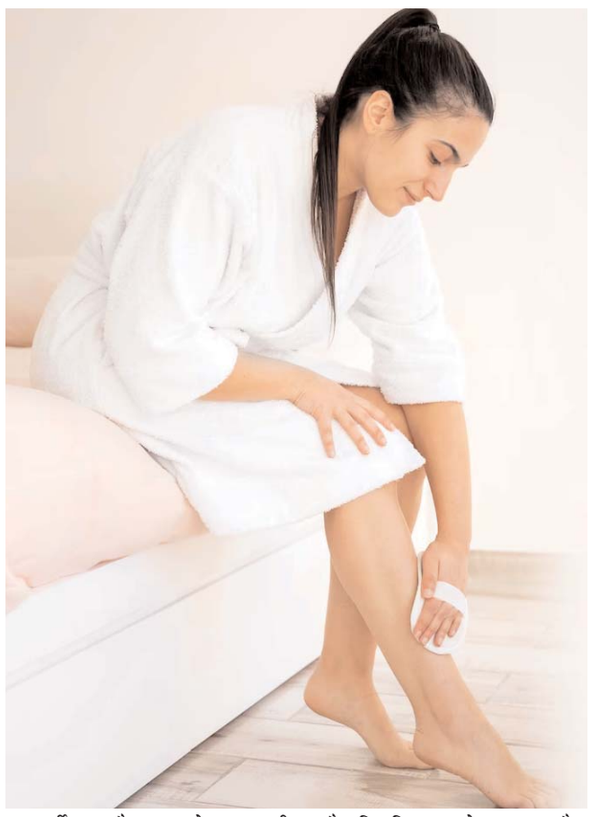

गर्मी का मौसम अपने साथ पसीना और चिपचिपाहट लेकर आता है। इस कारण शरीर जल्दी गंदा हो जाता है और साफ-सफाई का ज्यादा ध्यान रखना पड़ता है।महिलाओं के लिए इस समय शरीर के बाल हटाना जरूरी होता है, जिसके लिए वैक्सिंग करना ही सबसे सही विकल्प रहता है।

हालांकि, गर्मियों में वैक्सिंग करते समय आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए, ताकि आप असुविधा, संक्रमण और खुजली आदि से बच सकें।

वैक्सिंग से पहले त्वचा को एक्सफोलिएट करें

गर्मी में त्वचा पर पसीना, धूल और मिट्टी जम जाती है, जिसे अच्छी तरह साफ करके ही वैक्सिंग करनी चाहिए। अगर आपकी त्वचा गंदी होगी तो वैक्स उसपर अच्छी तरह चिपकेगा नहीं और सारे बाल भी नहीं निकल पाएंगे।इसके लिए बॉडी वाश, साबुन या क्लींजर से त्वचा को साफ करें। वैक्सिंग करने से एक दिन पहले त्वचा को एक्सफोलिएट करना न भूलें।इससे मृत त्वचा साफ होगी और वैक्सिंग करने में आसानी होगी।

त्वचा पर मॉइस्चराइजर न लगाएं

कई महिलाएं वैक्सिंग करने से पहले त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाने की गलती कर देती हैं।माना की गर्मी में त्वचा शुष्क हो जाती है, लेकिन आपको वैक्स लगाने से पहले कोई भी क्रीम इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। ऐसा करने से त्वचा ज्यादा चिकनी और नमि युक्त हो जाएगी।

इसके चलते वैक्स त्वचा पर सही से चिपकेगा नहीं और बाल अच्छी तरह नहीं निकल पाएंगे। इसलिए, साफ और शुष्क त्वचा पर ही वैक्सिंग करें।

वैक्सिंग के बाद धूप के संपर्क में न आएं

वैक्सिंग करने के बाद त्वचा की सुरक्षात्मक परत हट जाती है और त्वचा अधिक संवेदनशील हो जाती है। यही कारण है कि बाल हटाने के तुरंत बाद धूप के संपर्क में नहीं आना चाहिए।

सूरज की किरणें त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं और खुजली, जलन, टैनिंग और काले धब्बे पैदा कर सकती हैं।

इन परेशानियों से बचने के लिए वैक्सिंग करने के करीब 24 घंटे बाद तक धूप में न निकलें।

जलन को दूर करने के लिए बर्फ लगाएं

वैक्सिंग करने के दौरान त्वचा खिंचती है और गर्म वैक्स के कारण त्वचा में जलन होने लगती है। इतना ही नहीं, कई महिलाओं को गर्मी के कारण चकत्ते निकलने लगते हैं या उनकी त्वचा सूज जाती है।

ऐसे में आप बर्फ का इस्तेमाल करके अपनी त्वचा की देखभाल कर सकती हैं। जिस भी जगह पर जलन हो रही हो, वहां बर्फ रगड़ लें।

लिप बाम खरीदने जा रहे हैं? इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

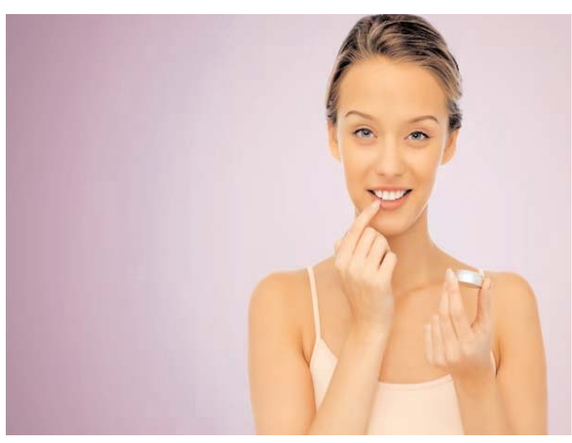

लिप बाम होंठों को नमी देने और उन्हें सूखने से बचाने के लिए एक जरूरी चीज है। बाजार में कई तरह के लिप बाम मिलते हैं, जिनमें से सही का चयन करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। आइए आज हम आपको लिप बाम खरीदते समय ध्यान रखने योग्य बातें बताते हैं ताकि आप अपने होठों की देखभाल के लिए सही लिप बाम चुन सकें।

प्राकृतिक चीजें होनी चाहिए

जब भी लिप बाम खरीदें, उसमें प्राकृतिक चीजें होनी चाहिए, जैसे कि शुद्ध मोम, नारियल का तेल, जैतून का तेल, शीया बटर आदि।

ये चीजें होंठों की नमी को बनाए रखने में मदद करती हैं और उन्हें स्वस्थ रखती हैं। कृत्रिम रसायनों से बचें क्योंकि ये त्वचा पर बुरा असर डाल सकते हैं और होंठों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। प्राकृतिक चीजों से बना लिप बाम आपके होंठों के लिए बेहतर होता है।

धूप से बचाव का ध्यान रखें

सूरज की किरणें आपके होंठों को नुकसान पहुंचा सकती हैं इसलिए ऐसे लिप बाम चुनें, जिसमें धूप से बचाव की क्षमता हो।

यह आपके होंठों को सूर्य की किरणों से बचाने में मदद करेगा और उन्हें सुरक्षित रखेगा, खासकर गर्मियों में या जब आप बाहर ज्यादा समय बिताते हैं तो धूप से बचाव वाले लिप बाम का उपयोग करना जरूरी होता है। यह न केवल आपके होठों को सुरक्षित रखेगा, बल्कि उन्हें स्वस्थ और चमकदार भी बनाएगा।

खुशबू और स्वाद पर दें ध्यान

लिप बाम की खुशबू और स्वाद भी अहम होते हैं। ऐसा लिप बाम चुनें, जिसकी खुशबू पसंद आए और जो लगाने पर अच्छा लगे।

बाजार में कई तरह के स्वाद आते हैं जैसे कि पुदीना, स्ट्रॉबेरी, वनीला आदि। अपनी पसंद और जरूरत के हिसाब से ही लिप बाम का चयन करें ताकि आप उसे नियमित रूप से खुशी-खुशी इस्तेमाल कर सकें।

इससे आपका अनुभव और भी अच्छा होगा और आप अपने होठों की देखभाल बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

पैकेजिंग पर ध्यान दें

लिप बाम की पैकेजिंग भी अहम होती है। ऐसी पैकेजिंग वाली लिप बाम चुनें, जो आसानी से इस्तेमाल हो सके और सुरक्षित भी रहे।

ट्यूब या रोल-ऑन पैकेजिंग बेहतर विकल्प हो सकते हैं क्योंकि इन्हें साथ ले जाना आसान होता है और ये साफ-सुथरे भी रहते हैं।

इसके अलावा पैकेजिंग के जरिए आप उत्पाद की गुणवत्ता और सामग्री के बारे में भी जान सकते हैं, जिससे सही चयन करना आसान हो जाता है।

ब्रांड की विश्वसनीयता जांचें

आखिरी बात, हमेशा भरोसेमंद ब्रांड से ही लिप बाम खरीदें।

उनके बारे में लोगों की राय पढ़ें और देखें कि दूसरे ग्राहकों ने उनके बारे में क्या कहा है। इससे आपको उत्पाद की गुणवत्ता का अंदाजा होगा और आप सही निर्णय ले पाएंगे।इन सभी बातों का ध्यान रखकर आप अपने होठों के लिए सही लिप बाम का चयन कर सकते हैं, जो उन्हें मुलायम, स्वस्थ और खूबसूरत बनाएगा।

बिलावल ने भी माना इस्लामाबाद करता है 'गंदा काम' ! आखिर 'सच' क्यों स्वीकारने लगे पाकिस्तानी नेता ?

इस्लामाबाद (आरएनएस)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने माना है कि उनके देश का अतीत आतंकी संगठनों को समर्थन देने का रहा है। भुट्टो की इस टिप्पणी से कुछ दिन पहले ही देश के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि इस्लामाबाद दशकों तक आतंकवाद को मदद देने का 'गंदा काम' करता रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भुट्टो ने 1 मई को स्काई न्यूज से बातचीत में कहा, जहां तक रक्षा मंत्री (आसिफ) ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह कोई रहस्य है कि पाकिस्तान का एक अतीत है।भुट्टो ने पहले अफगान युद्ध के दौरान मुजाहिदीनों को आर्थिक मदद करने और समर्थन देने में पाकिस्तान की सक्रिय भूमिका की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, हमने पश्चिमी शक्तियों के साथ समन्वय और सहयोग से ऐसा किया। पाकिस्तान चरमपंथ की एक के बाद एक लहरों से गुजराज हमने नुकसान उठाया। बिलावल भुट्टो जरदारी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष हैं, जो पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी का हिस्सा है।हालांकि, भुट्टो ने जोर देकर कहा कि हाल के वर्षों में स्थिति बदल गई है। उन्होंने कहा, यह सच है कि यह (आतंकवाद) हमारे इतिहास का दुर्भाग्यपूर्ण हिस्सा

हैज लेकिन हमने इससे सबक भी सीखा है। उन्होंने 'बदले हालात' के लिए आंतरिक सुधारों और सैन्य अभियानों को श्रेय दिया, खासकर अपनी मां बेनजीर भुट्टो की हत्या के बाद, जिससे चरमपंथी तत्वों को लेकर राज्य की नीति पलट गई। भुट्टो ने कहा, हमने हर दूसरे दिन आतंकवादी हमले देखेज पाकिस्तान ने इन समूहों के खिलाफ गंभीर और सफल कार्रवाई की है।पिछले हफ्ते ही स्काई न्यूज के एक इंटरव्यू में आसिफ से पूछा गया था कि क्या पाकिस्तान का आतंकवादी संगठनों को समर्थन, ट्रेनिंग और फंडिंग देने का लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि ऐसा ही है। लेकिन उन्होंने इसका दोष पश्चिम पर डालने की कोशिश की। आसिफ ने साक्षात्कारकर्ता से कहा, हम करीब तीन दशक से अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए यह 'गंदा काम' कर रहे हैंज्यह एक गलती थी और हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी, इसीलिए आप मुझसे यह कह रही हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और 9/11 के बाद की जंग में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता।कुछ ही दिनों के अंतराल में ये दूसरा ऐसा मौका है जब पाकिस्तान के किसी शीर्ष नेता ने आतंकवाद को समर्थन देने की बात मानी है। यह पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान पर बढ़ते दबाव और भारत के आक्रमक रुख से उपजी घबराहट को जाहिर करता है। दोनों नेताओं के बयान दर्शाते हैं कि पाकिस्तान को यह डर सता रहा है कि भारत कहीं कोई बड़ी सैन्य कार्रवाई न कर दे। आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल -पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर अंधाधुंध गोलियां चला दी थीं। हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

अमेरिका ने भारत के प्रति फिर दोहराई प्रतिबद्धता, आतंकवाद के खिलाफ पीएम मोदी को पूर्ण समर्थन देने का ऐलान

न्यूयॉर्क (ए) । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद भारत को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मजबूत समर्थन मिला है। दुनिया के कई ताकतवर देशों ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में अपना समर्थन व्यक्त किया है। इसी कड़ी में अमेरिका ने एक बार फिर भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया है।अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह ताजा बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि पहलगाम हमले के बाद पैदा हुए तनाव को देखते हुए अमेरिका भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ लगातार संपर्क में है।ब्रूस ने कहा, हम स्थिति पर करीब से नज़र रखे हुए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बात की है।

बांग्लादेश : अवमानना के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को कारण बताओ नोटिस

ढाका (ए)। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और अवामी लीग की प्रतिबंधित छात्र शाखा बांग्लादेश छात्र लीग (बीसीएल) के नेता शकील आलम बुलबुल को अदालत की कथित अवमानना के मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया।

स्थानीय मीडिया ने बताया कि आईसीटी अभियोजक गाजी एमएच तमीम ने दोनों व्यक्तियों को 15 मई तक कारण बताओ नोटिस का जवाब देने का निर्देश दिया है।

न्यायाधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गुलाम मुर्तुजा मुजुमदार की अध्यक्षता में सोशल मीडिया पर लीक हुए एक वायरल ऑडियो क्लिप की सामग्री पर यह आदेश पारित किया गया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री को दिखाया गया था, जिसके माध्यम से उन्होंने कथित तौर पर न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया और न्यायाधिकरण को धमकी दी।

आईसीटी अभियोजक ने कहा कि जांच एजेंसी ने फोरेंसिक परीक्षण कराया और पुष्टि की कि आवाज शेख हसीना की है।

पिछले वर्ष अगस्त में सत्ता में आने के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री, उनके परिवार के सदस्यों और अवामी लीग समर्थकों के खिलाफ कई गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

पिछले महीने बांग्लादेश के एक न्यायाधिकरण ने 2013 में ढाका के शापला छत्तर में हुए कथित सामूहिक हत्याकांड के लिए हसीना और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बेनजीर अहमद सहित चार अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

इस देश में 'खसरे' ने मचाया कहर, एक साथ 700 से अधिक लोग बीमार; प्रशासन की चिंता बढ़ी

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। अमेरिका ने 25 साल पहले खसरे को खत्म करने की घोषणा की थी, लेकिन पश्चिमी टेक्सास में इस बीमारी के बढ़ते प्रकोप ने एक बार फिर से चिंताएं बढ़ा दी हैं। मीडिया ने बताया कि पश्चिमी टेक्सास में खसरे के रोगियों की संख्या बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी के अंत में शुरू हुए खसरे से टेक्सास में 700 से अधिक लोग बीमार हो गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इतना ही नहीं, यह अन्य राज्यों में भी फैल गया है। खसरे ने अमेरिका में एक दशक से अधिक समय में पहली बार जान ली है।कुछ सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और महामारी वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रकोप एक साल से अधिक समय तक चल सकता है, जिससे अमेरिका का खसरा-मुक्त दर्जा खतरे में पड़ सकता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने साल 2000 में व्यापक टीकाकरण अभियानों के बाद यह उपलब्धि हासिल की थी, जिसमें अधिकांश बच्चों को खसरा, कण्ठमाला और रूबेला या एमएमआर वैक्सीन दी गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, खसरा तब खत्म माना जाता है जब किसी देश में कम से कम 12 महीने तक मजबूत निगरानी प्रणाली के तहत स्थानीय स्तर पर इसका प्रसार न हो।

डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार वॉल्ट्ज को हटाया, उपराष्ट्रपति बोले ये 'प्रमोशन

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज को पद से हटाए जाने और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत पद पर चुने जाने को 'प्रमोशन यानि पदोन्नति' के रूप में पेश करने की कोशिश की है। उन्होंने मीडिया पर आरोप लगाया है कि वह शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा पद से उनके हटने को बर्खास्तगी के रूप में पेश कर रहा है।

वेंस ने गुरुवार को चार्ल्सटन, साउथ कैरोलिना में फॉक्स न्यूज को एक साक्षात्कार में बताया- उन्हें जाने नहीं दिया गया। उन्हें संयुक्त राष्ट्र में राजदूत बनाया जा रहा है, जिसे निश्चित तौर पर सीनेट ने कंफर्म किया है। मुझे लगता है कि आप एक अच्छा तर्क दे सकते हैं कि यह एक प्रमोशन है।उन्होंने आगे कहा, मीडिया इसे बर्खास्तगी के रूप में दिखाना चाहता है। डोनाल्ड ट्रंप ने बहुत से लोगों को निकाल दिया है। लेकिन वह उन्हें बाद में सीनेट द्वारा कंफर्म की गई नियुक्तियां नहीं देते हैं। उन्हें लगता है कि माइक वाल्ट्ज उस भूमिका में प्रशासन (सबसे महत्वपूर्ण रूप से अमेरिकी लोगों) की बेहतर सेवा कर सकते हैं।

वेंस ने कहा कि रक्षा सचिव पीट हेगसेथ की नौकरी

सुरक्षित है, जब उनसे पूछा गया कि क्या राष्ट्रपति के वरिष्ठ अधिकारियों के पद पर और बदलाव होने वाले हैं, और विशेष रूप से क्या हेगसेथ की नौकरी सुरक्षित है। उन्होंने कहा, हमें पीट पर पूरा भरोसा है। और इस बात पर जोर देने पर कि क्या यह कदम ट्रंप प्रशासन के शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ सिग्नल चैट में वाल्ट्ज की कार्रवाइयों का प्रत्यक्ष परिणाम था, वेंस ने कहा, नहीं, ऐसा नहीं है।

उन्होंने स्थिति को मोटे तौर पर इस प्रकार वर्णित किया कि वाल्ट्ज राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में जाना एक तरह से हमारी प्रशासनिक शुरुआत थी, उन लोगों को निकाल दिया गया जो निष्ठाहीन थे, और वास्तव में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद को क्रियाशील बनाने के लिए सही लोगों का समूह लाए।वेंस ने आगे कहा, बेशक। हां। हम अपने सभी नियुक्त किए गए लोगों के लिए लड़ते हैं, जब पूछा गया कि क्या ट्रंप सीनेट की पुष्टि प्रक्रिया के दौरान वाल्ट्ज के लिए लड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने इस संभावना से भी इनकार किया कि वाल्ट्ज के खिलाफ हाल ही में उठाया गया कदम सिग्नल-गेट में उनकी संलिप्तता से जुड़ा हो सकता है।दरअसल, आरोप है कि पूर्व एनएसए ने यमन में हूती विद्रोहियों पर ट्रंप की हमले की योजनाओं पर चर्चा करने वाले उच्च-रैंकिंग अधिकारियों के चैट समूह में द अटलांटिक पत्रिका के संपादक को जोड़ा था। सिग्नल-गेट में यमन पर अमेरिकी हमले को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आई थी और इससे प्रशासन को शर्मिंदा होना पड़ा था।

हमें उम्मीद कि पहलगाम आतंकी हमले की जांच में पाकिस्तान करेगा भारत का सहयोग : अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस

वाशिंगटन(ए) । अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका को उम्मीद है कि पाकिस्तान, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले महीने हुए आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को पकड़ने में भारत के साथ सहयोग करेगा।

वेंस ने फॉक्स न्यूज के 'स्पेशल रिपोर्ट विद ब्रेट बेयर' शो में गुरुवार को दिए एक इंटरव्यू में कहा, हमें उम्मीद है कि भारत इस आतंकी हमले का जवाब ऐसे देगा, जिससे व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष न हो।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान, अगर वे (पहलगाम आतंकी हमले) इसके लिए जिम्मेदार हैं, तो भारत के साथ सहयोग करे ताकि उनके क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादियों को पकड़ा और निपटाया जा सके।

वेंस ने इस हमले पर अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी फॉक्स न्यूज के साथ दिए एक इंटरव्यू में की, पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे।

यह हमला 2019 में सीआरपीएफ कर्मियों पर हुए पुलवामा हमले के बाद सबसे घातक था। उस समय वेंस और उनका परिवार चार दिन की भारत यात्रा पर थे।पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच उपराष्ट्रपति की टिप्पणी महत्वपूर्ण है। पिछले महीने भारत दौरे पर आए वेंस ने इस हमले की निंदा की थी और एक्स पर एक पोस्ट में पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की थी।पहलगाम हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति की जान चली गई, जो हाल के दिनों में कश्मीर घाटी में नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक था।

भारत-पाक के तल्ख होते रिश्तों के बीच, बुधवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बात की थी।

खेल समाचार

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास, विराट कोहली के बाद ऐसा करने वाले बने दूसरे बल्लेबाज

जयपुर(ए)। रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया. उन्होंने गुरुवार 1 मई को

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले जा रहे मुकाबले में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है. रोहित पहले से ही मुंबई इंडियंस के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. अब उन्होंने 6 हजार रनों का मुकाम भी हासिल कर लिया है।

मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स मुकाबले से पहले रोहित ने 231 मैचों की 226 पारियों में 29.70 की औसत से 5971 रन बनाए थे जिसमें 131.92 की स्ट्राइक रेट से 539 चौके और 262 छक्के शामिल थे. इसमें मुंबई इंडियंस के लिए 38 अर्धशतक और 2 शतक शामिल हैं. मुंबई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी मुंबई के पूर्व ऑलराउंडर और वर्तमान बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड 3915 रन हैं. उनके बाद सूर्यकुमार यादव (3460) तीसरे मुंबई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

इस मैच में रोहित को ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के लिए केवल 29 रनों की जरूरत थी. उन्होंने कुमार कार्तिकेय की गेंद पर स्वीप शॉट लगाकर 6000 रन एक फ्रेंचाइजी के लिए बनाने की खास उपलब्धि हासिल कर ली. 38 वर्षीय रोहित शर्मा ने अब तक आईपीएल में दो फ्रेंचाइजियों का प्रतिनिधित्व किया है. 2011 में मुंबई द्वारा चुने जाने से पहले वह तीन सीजन तक डेक्कन चार्जर्स के लिए खेले थे. रोहित वर्तमान में विराट कोहली के बाद आईपीएल इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

आईपीएल में आज सीएसके को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी आरसीबी

शाम 7.30 बजे से होगा मुकाबला

बेंगलुरु (ए)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलेगी। आरसीबी का लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। सीएसके ने इस सत्र में अबतक शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सात मैच जीते हैं जिससे उसके 14 अंक और वह अंकतालिका में दूसरे नंबर पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज शानदार फार्म में हैं। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के भी लय में होने से टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। वहीं दूसरी ओर सीएसके की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है और अब उसका लक्ष्य इस मैच में उन खिलाड़ियों की तलाश करने पर रहेगा जो अगले सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सके। ऐसे में टीम के युवा खिलाड़ियों को अधिक से अधिक अवसर देने की उम्मीद है। वहीं प्रशंसक इस मैच में सीएसके के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और विराट कोहली को खेलते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आरसीबी अगर इस मैच में जीती तो उसके कुल 16 अंक हो जाएंगे और वह प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। आरसीबी को इसके बाद तीन और मुकाबले खेलने हैं और जिस तरह से उसने अब तक खेला है उसका लक्ष्य इस मैच में बड़ी जीत

दर्ज करना रहेगा। टीम का प्रयास प्लेऑफ के लिए शीर्ष दो में पहुंचना रहेगा। दूसरी ओर सीएसके का लक्ष्य इस मैच में जीतकर आरसीबी की संभावनओं को कम करना रहेगा। इस मैच में विराट के पास बड़ी पारी खेलकर ऑरेंज कैप की दौड़ में पहले स्थान पर पहुंचना रहेगा। अभी वह तीसरे नंबर पर हैं।इस मैच में आरसीबी की बल्लेबाज विराट के अलावा देवदत्त पडिक्कल और फिल साल्ट व कप्तान रजत पाटीदार पर आधारित रहेगी।

सीएसके के गेंदबाजों का इस सत्र में प्रदर्शन सामान्य रहा है। ऐसे में आरसीबी को शायद ही कोई परेशानी हो। सीएसके की गेंदबाजी तेज गेंदबाज खलील अहमद और स्पिनर नूर अहमद पर निर्भर है। आरसीबी के पास जोश हेज़लवुड, भुवनेश्वर कुमार, जैसे गेंदबाज हैं जिनके आगे रन बनान सीएसके के बल्लेबाजों के लिए बेहद कठिन रहेगा। सीएसके की बल्लेबाजी सैम कुरेन, डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे के अलावा युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे,पर टिकी है। कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी निचले फिनिशर के तौर पर ही उतरेंगे हालांकि इस सत्र में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान) फिल साल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, कृणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा, लुंगी एनगिडी, लियाम लिविंगस्टोन, स्वप्निल सिंह, मनोज भांडागे, रसिख दार सलाम, नुवान तुषारा, जैकब बेथेल, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा, अभिनंदन सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स : एमएस धोनी (कप्तान, विकेटकीपर), शेख रशीद, आयुष म्हात्रे, दीपक हुडा, सैम कुरेन, रवींद्र जडेजा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, नूर अहमद, खलील अहमद, मथीशा पथिराना, अंशुल कंबोज, आर अश्विन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, जेमी ओवरटन, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, श्रेयस गोपाल, डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस, सी आंद्रे सिद्धार्थ, वंश बेदी।

योगी आदित्यनाथ से मिले कपिल देव

लखनऊ (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की है। कपिल देव वर्तमान में पेशेवर गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के प्रमुख हैं। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, विख्यात क्रिकेट खिलाड़ी एवं 1983 की विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल से लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर मुलाकात हुई।कपिल ने साल 1978 से 1994 तक भारतीय टीम से खेला है। वह विश्व के बेहतरीन ऑलराउंडरों में शामिल रहे हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह कोच, कमेंटेटर और हरियाणा के स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के चांसलर जैसे पदों पर रहे हैं। वहीं अक्टूबर 1999 से अगस्त 2000 तक वे भारतीय टीम के कोच भी रहे हैं। इसके बाद जून 2024 में वह पीजीटीआई अध्यक्ष बने। इससे पहले वह 2021 से 2023 तक पीजीटीआई के उपाध्यक्ष और संचालन समिति के सदस्य थे।

सूर्यकुमार ने नया रिकॉर्ड बनाया, उथप्पा को पीछे छोड़ा

मुंबई (ए)। मुम्बई इंडियंस के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान एक

अहम उपलब्धि हासिल की है। सूर्या अब लगातार 11 पारियों में 25 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में नंबर एक पर पहूंच गये हैं। इसी के साथ ही सूर्या ने पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का रिकार्ड तोड़ा है। उथप्पा ने 2014 आईपीएल में 10 बार यह रिकार्ड कायम किया था। सूर्यकुमार के बाद इस सूची में स्टीवन स्मिथ (2016-17) और विराट कोहली (2024-25) 9-9 बार के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जबकि साई सुदर्शन (2023-24) भी 9 बार के साथ इस सूची में शामिल हैं।सूर्यकुमार की इस उपलब्धि ने उनकी निरंतरता का पता चलता है। वह आईपीएल के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं। सूर्यकुमार ने इस सत्र में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें उनकी बल्लेबाजी में स्थिरता और आक्रामकता दोनों ही नजर आयी है। उनकी पारी को संभालने और तेजी से रन बनाने की क्षमता से मुंबई इंडियंस को भी लाभ हुआ है और वह अंकतालिका में पहले नंबर पर पहुंच गयी है। सूर्या ने इस सत्र में सबसे अधिक 475 रन बनाये हैं

मुंबई ने धमाकेदार जीत के साथ टॉप पर किया कब्जा, राजस्थान प्लेऑफ से हुई बाहर

-रिकेल्टन बने प्लेयर ऑफ द मैच

जयपुर,(ए)। मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले आईपीएल 2025 के 50वें मैच में 100 रनों से हार दिया है. ये मुंबई की टूर्नामेंट में लगातार छठी जीत है. इस मैच में टॉस हारने के बाद मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 2 विकेट गंवाकर 217 रन बनाए. राजस्थान रॉयल्स की टीम 218 रनों के स्कोर का पीछा करते हुए 16.1 ओवर में 117 रनों पर ढेर हो गई और 100 रनों से मैच हार गई।

इस जीत के साथ एमआई की टीम प्वाइंट्स 11 मैचों में 7 जीत और 4 हार के साथ 14 अंक लेकर पहले स्थान पर पहुंच गई है. इसके साथ ही उनसे प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी दावेदारी लगभग तय कर ली है. बात करें आरआर की तो वो 11 मैचों में 3 जीत और 8 हार के साथ 6 अंकों के साथ 8वें स्थान पर बनी हई है. इस हार के साथ ही राजस्थान रॉयल्स की टीम प्लेऑफ से बाहर हो चुकी है. इस मैच में राजस्थान के लिए पारी की शुरुआत करने के लिए यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी आए. पारी की चौथी गेंद पर वैभव को दीपक चाहर ने 0 के स्कोर पर पवेलियन भेज दिया. इसके बाद ट्रेंट बोल्ट ने यशस्वी को 13 रनों के निजी स्कोर पर बोल्ड कर दिया. राजस्थान का कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर टिक नहीं पाया और पूरी टीम 117 रनों पर ढेर हो गई. टीम के लिए सबसे ज्यादा रन जोफ्रा आर्चर ने बनाए. उन्होंने 27 बॉल में 2 चौके और 2 छक्कों के साथ 30 रनों की पारी खेली. उनके अलावा रियान पराग ने 16, ध्रुव जुरेल ने 11, शिवम दुबे ने 15 रनों का योगदान दिया।

रॉयल्स के खिलाफ सभी ने अपनी जिम्मेदारी अच्छे से निभाई : पंड्या

नई दिल्ली ,(ए)। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली बड़ी जीत के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या उत्साहित हैं पर उनका कहना है कि सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए किसी एक को श्रेय नहीं दिया जा सकता। कप्तान ने कहा है कि इस मैच में उनकी टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनो ने ही अपनी-अपनी जिम्मेदारी बेहतर तरीके से निभाई है। पंड्या की कप्तानी में खेल रही मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 217 रन बनाए और इसके बाद 100 रनों से मैच जीत लिया। हार्दिक का हालांकि मानना था कि उनकी टीम को 15 से 20 रन और बनाने थे।

इस जीत के साथ ही मुंबई की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। जीत के बाद पंड्या ने कहा, 'हमने जिस तरह से बल्लेबाजी की और गेंदबाजी की उससे कहा जा सकता है कि सभी ने मिलकर प्रयास किये।'

धवन और सोफी ने सोशल मीडिया पर की अपने रिश्ते की पुष्टि

नई दिल्ली (ए)। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने आंखिरकार माना है कि वह आयरिश युवती सोफी शाइन के साथ रिलेशनशिप में हैं। पिछले कुछ समय से यह धवन और सोफी को कई जगह पर एक साथ देखा गया था। उसके बाद से ही इनके बीच अफेयर की चर्चाओं ने जोर पकड़ा। पिछले कुछ समय में दौरान सोशल मीडिया पर भी इनकी कई तस्वीरें आई हैं पर तब इन दोनो ने अपनी ओर से कोई बयान नहीं दिया था। वहीं 1 मई को धवन ने सोफी के साथ सोशल मीडिया में एक तस्वीर साझा कर अपने रिश्ते की पुष्टि कर दी है। साल 2023 में पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक के बाद धवन को लेकर अटकलें लगायीं जा रहीं थीं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, धवन और सोफी की पहली मुलाकात दुबई में एक क्रिकेट मैच के दौरान हुई थी। इसके बाद उनका रिश्ता और मजबूत होता गया है, दोनों को कई बार सार्वजनिक कार्यक्रम में एक साथ देखा जाता है। जिसके बाद से ही इनके बीच संबंध होने की चर्चाएं जोर पकड़ने लगीं थीं। धवन और सोफी के इस रिश्ते की पुष्टि तब हुई जब इस दंपत्ति ने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया। सोफी ने धवन के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, माई लव, इस पोस्ट के साथ उन्होंने लाल दिल भी लगाया। उनकी यह तस्वीर कुछ ही देर में वायरल हो गई। गौरतलब है कि आयरलैंड की सोफी एक आयरिश पेशेवर है। वह वर्तमान में अबू धाबी में नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉरपोरेशन के लिए उत्पाद सलाहकार के रूप में काम कर रही हैं।

छात्रों के अनुकूल बनाएं स्कूलों का शैक्षणिक परिवेश- कलेक्टर बालागुरु के.

ड्रॉप आउट को रोकने छात्रों और अभिभावकों से सतत संपर्क रखें- कलेक्टर बालागुरु के.

सीहोर (निप्र)। बच्चों की रचनात्मकता, समाधानखोजी दृष्टिकोण, वैज्ञानिक सोच और कल्पना शक्ति को व्यवहारिक रूप देने के लिए स्कूलों का शैक्षणिक परिवेश बच्चों के अनुकूल हो। यह बात कलेक्टर बालागुरू के. ने जिला शिक्षा केन्द्र एवं शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में कही। उन्होंने कहा कि पढ़ाई को रूचिकर बनाए ताकि बच्चे पूरे समय स्कूल में रहें और उपस्थिति शतप्रतिश हो। उन्होंने कहा कि स्वाभाविक रूप से बच्चों के मन में कई तरह की जिज्ञासाएं और प्रश्न उठते हैं, उनका समाधान किया जाए।

कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि शिक्षक देश के भविष्य का निर्माण करते हैं और उनकी शिक्षा और मार्गदर्शन से ही बच्चों का भविष्य निर्माण होता है। ऐसे में शिक्षका का दायित्व और बढ़ जाता है। उन्होंने कहा शिक्षाक समय पर स्कूल आएं और पूरी लगन से पढ़ाएं। उन्होंने कहा कि बच्चे स्कूल न छोड़े इसके लिए छात्रों और अभिभावकों से सतत सम्पर्क रखा जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को समय पर पुस्तकें वितरित हो जाएं। कलेक्टर बालागुरू के ने कहा कि पुस्तक मेला लगाने की खानापूर्ति नही की जाए। जिस उद्देश्य से मेला लगाया जा रहा है वह सार्थक हो।

उन्होंने ने कहा कि शासन द्वारा छात्रों को लैपटॉप और स्कूटी की राशि का सही उपयोग हो इसके इसके लिए लैपटॉप और स्कूटी खरीदी का सत्यापन किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायातों का सकारात्मक दृष्टिकोण से निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि तहसील स्तर पर लाइब्रेरी की व्यवस्था हो। उन्होंने निर्माणाधीन सीएम राईज स्कूल एवं अन्य स्कूल भवनों की समीक्षा के दौरान कहा कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हो और समय पर पूरा हो। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी संजय सिंह तौमर तथा डीपीसी रमेशराम उईके सहित अल्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूल एवं छात्रावास

बैठक में जानकारी दी गई जिले में 801 प्राथमिक स्कूल, 531 मिडिल स्कूल, 123 हाई स्कूल तथा 110 हायर सेकेंडरी स्कूल कुल 1565 स्कूल संचालित हो रहे है। इसमें 03 मॉडल स्कूल, 14 सीएम राइज स्कूल, 01 एक्सीलेंस स्कूल तथा 15 पीएम श्री स्कूल शामिल हैं। जिले में 6 वी से 08 वीं तथा 09 से 12वीं तक 15 छात्रावास संचालित हो रहे हैं।

विकासखण्डवार नामांकन

शैक्षणिक सत्र 2025-25 में कक्षा पहली से बारहवीं में अभी तक कुल 182837 छात्रों का नामांकन हुआ है। इसमें आष्टा विकासखंड में 49476, बुधनी विकासखंड में 20854, इछावर विकासखंड में 22551, भैरूंदा विकासखण्ड में 32086 तथा सीहोर विकासखण्ड में 57870 छात्रों का नामांकन किया गया है।

समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन, सीमावर्ती जिलो से अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा अवैधानिक रुप से गेहूं का परिवहन कर विक्रय से रोकने के निर्देश

सीहोर (निप्र)। रबी विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी कार्य 15 मार्च से प्रारंभ किया जाकर 05 मई तक 2600 रू प्रति क्विंटल किया जा रहा है। उपार्जन के अंतिम दिवसों में जिले में अन्य सीमावर्ती जिलो से बिचौलियों, अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा अवैधानिक रूप से गेहूं का परिवहन कर उपार्जन केन्द्रों पर विक्रय से रोकने के लिए कलेक्टर बालागुरू के. ने सभी केन्द्र संचालको को सक्त निर्देश जारी किये है कि समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए निर्धारित केन्द्रों पर गेहूं की आवक, खरीदी की प्रतिदिन मॉनीटरिंग कराई जाए। कलेक्टर बालागुरू के. ने समस्त एसडीएम, उपायुक्त सहकारिता, प्रबंधन जिला परियोजना, महाप्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक को निर्देश जारी किये है कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित एफएक्यू मापदण्ड अनुसार ही समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जित किया जाए। जिलें की सीमा पर चेक-पोस्ट लगाकर अन्य जिलों से गेहूं लेकर आने वाले वाहनों की जांच कराई जाए, जिले में व्यापारियों द्वारा कय, परिवहन की जाने वाली गेहूं पर देय मण्डी शुल्क के भुगतान एवं मण्डी समिति द्वारा जारी अनुज्ञा पत्र की जांच की जाए,जिले में बिचौलियों, अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा भण्डारित गेहूं की जांच कराई जाए।

श्रद्धा भक्ति सेवा समिति के तत्वाधान में जगद्गुरु शंकराचार्य का जन्मोत्सव आस्था और उत्साह के साथ मनाया

सीहोर (निप्र)। सनातन धर्म के उत्थान में आदिगुरु शंकराचार्य जी का महत्वपूर्ण स्थान है। केरल राज्य के कालड़ी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में आदि गुरु शंकराचार्य जी का जन्म हुआ था। अल्पायु सर्वज्ञ पुत्र या दीर्घायु सामान्य पुत्र। शिवगुरु ने अल्पायु सर्वज्ञ पुत्र का वर मांगा। इसके बाद वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को आदिगुरु शंकराचार्य जी का जन्म हुआ। सनातन धर्म को पहचान देने वाले जगदगुरु शंकराचार्य हम सभी की आस्था का केन्द्र है। उक्त विचार शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र में उनके जन्मोत्सव जयंती के अवसर पर मुख्य अतिथि केन्द्र के प्रभारी नटवर कुशवाहा ने कहे।

हर साल की तरह इस साल भी शुक्रवार को श्रद्धा भक्ति सेवा समिति के तत्वाधान में शहर के संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र में जगदुरु शंकराचार्य का जन्मोत्सव आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया था। वक्ताओं ने कहकि आदिशंकराचार्य ने अपनी विद्वता, त्याग व समर्पण से सनातन धर्म का वैभव पूरी दुनिया में फैलाया था। आज आदि शंकराचार्य की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है। यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि उनकी नीतियों को आगे बढ़ाएं और सनातन धर्म का वैभव पूरी दुनिया में फैलाएं।

इस मौके पर शिव प्रदोष सेवा समिति के पंडित कुणाल व्यास, जिला संस्कार मंच के धर्मेन्द्र माहेश्वरी ने कहा कि शंकराचार्य ने अवतरित होकर सनातन धर्म की रक्षा की, भारत की एकता अखंडता के लिए देश के चारों कोनों में चार प्रधान मठ स्थापित किए और समग्र देश में नवयुग स्थापित कर दिया।

राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड जून में प्रथम चरण की परीक्षा करेगा आयोजित

प्रदेश में ड्रॉप-आउट की संख्या को कम करने के लिये किये जा रहे हैं प्रयास

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड इस वर्ष जून माह में प्रथम चरण की परीक्षा आयोजित करने जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के अनुत्तीर्ण छात्रों के लिये रूक जाना नहीं योजना में कक्षा 10वीं और 12वीं के साथ आ लौट चलें कक्षा 10वीं, 12वीं, ओपन स्कूल परम्परागत परीक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं, आईटीआई समकक्ष कक्षा 12वीं, सीबीएसई ऑन डिमांड कक्षा 12वीं की परीक्षा 2 जून 2025 से 2 पारियों में की जा रही हैं। प्रथम पारी में समस्त 12वीं कक्षा की परीक्षा तथा द्वितीय पारी में समस्त 10वीं, 8वीं और 5वीं की परीक्षा आयोजित की जा रही हैं। परीक्षा की समय-सारणी मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के पोर्टल पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिये ई-मेल या मोबाईल ऐप- mpsoseb और फोन नम्बर- 0755-2552106 से भी प्राप्त की जा सकती है।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) योजना खोल रही किसानों के समृद्धि के द्वार

सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश और प्रदेश में कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए सरकार विशेष प्रयास कर रही है। किसानों की आय बढ़ाने, उनकी खेती को उन्नत बनाने और आधुनिक तकनीकों को खेतों तक पहुँचाने के लिए अनेक प्रभावी योजनाएं चलाई जा रही हैं। बागवानी विभाग की एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) योजना भी उन्हीं योजना योजनाओं में से एक है। इस योजना का उद्देश्य बागवानी फसलों जैसे फल, सब्जियाँ, मसाले, फूल और औषधीय पौधों के क्षेत्र में संरचित विकास करना है। इस योजना के तहत किसानों को 01 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 32 हजार रूपये की कुल लागत पर 16 हजार रूपये की अनुदान राशि प्रदान की जाती है। इसके साथ ही इस योजना के तहत तकनीकी मार्गदर्शन, अनुदान सहायता और उन्नत तकनीकों का लाभ दिया जाता है।

सीहोर जिले के ग्राम सारंगाखेड़ी निवासी किसान अनिल कुशवाह भी उन्हीं किसानों में से एक हैं, जिन्हें इस योजना का लाभ मिला है। किसान अनिल कुशवाह ने बताया कि पहले वे पारंपरिक तरीके से खेती करते थे। मौसम की मार, पानी की कमी और बढ़ती लागत से उत्पादन पर असर पड़ता था। लेकिन जब उन्हें बागवानी विभाग की एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) योजना के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने इसके लिए आवेदन किया। योजना के अंतर्गत अनिल ने खेती में प्लास्टिक मल्चिंग तकनीक को अपनाया। प्लास्टिक मल्चिंग एक ऐसी तकनीक है, जिसमें खेत में पौधों के चारों ओर जमीन को एक विशेष प्रकार की प्लास्टिक शीट से ढक दिया जाता है। इसके नमी संरक्षण, खरपतवार नियंत्रण, मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखना और फसल को रोगों से बचाना सहित अनेक फायदे हैं। किसान अनिल कहते हैं कि प्लास्टिक मल्चिंग से मेरी फसल की सेहत सुधरी है। पानी की खपत भी कम हुई है और उत्पादन में वृद्धि हुई है। अब मुझे पहले से कहीं ज्यादा मुनाफा हो रहा है। वे अन्य किसानों को भी इस योजना का लाभ लेने और आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। किसान अनिल कुशवाह ने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया।

टीकाकरण जागरुकता सप्ताह के तहत नागरिकों को किया गया जागरुक

सीहोर (निप्र)। जिले के स्वास्थ्य विभाग द्वारा 24 अप्रैल से 30 अप्रैल तक जिले में टीकाकरण जागरूकता सप्ताह आयोजित किया गया। सीएमएचओ ने बताया कि इस जागरूकता सप्ताह के तहत स्वास्थ्य विभाग, एमवीएचए तथा यूनिसेफ के स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा नागरिकों को मीजल्स एवं रूबेला जैसी संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण के प्रति जागरूक किया गया और टीकाकरण कराने की शपथ भी दिलाई गई। इस जागरूकता सप्ताह के तहत नागरिकों को जानकारी दी गई कि टीकाकरण संबंधी किसी भी भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें और अपने बच्चों का टीकाकरण कराकर, इन गंभीर बीमारियों से उनका बचाव करें।

जिला रोजगार कार्यालय द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव के तहत 06 मई की जाएगी शिक्षकों की भर्ती

सीहोर (निप्र)। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा 06 मई 2025 को सीहोर कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक 119 में प्रात: 11:00 बजे से 3 बजे तक प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट ड्राइव में फीडम एम्प्लायवलिटी एकेडमी द्वारा सेंटर के संचालन के लिए 12 शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। इसके आवेदन के लिए आवेदक की उम्र 18 वर्ष से अधिक हो तथा किसी भी विषय से ग्रेजुएट हो। इसके साथ ही आवेदक को कम्प्यूटर संचालन का बुनियादी ज्ञान, अंग्रेजी समझने और संवाद करने की क्षमता होना आवश्यक है।

पंचायतों को आज विधायक सुदेश राय देंगे फायर फाइटर टेंकरों की बड़ी सौगात

सीहोर (निप्र)। ग्रामीणजनों की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए तत्पर विधायक सुदेश राय शनिवार को विधानसभा क्षेत्र की चार बड़ी ग्राम पंचायतों को फायर फाइटर टेंकरों की बड़ी सौगात देंगे। चयनीत ग्राम

पंचायतों को अब आग बुझाने और गर्मी में ग्रामीणों के लिए पीने का पानी परिवहन करने में दिक्कत नहीं होगी। ग्रामीणों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत श्यामपुर, ग्राम पंचायत दोराहा, ग्राम पंचायत अहमदपुर,ग्राम पंचायत चरनाल को बहुपयोगी फायर फाइटर टेंकर प्रदान किए जाएंगे। विधायक सुदेश राय की विशेष निधि से मिलने वाले फायर फाइटर टेंकरों को लेकर श्यामपुर सरपंच नवीन चौहान, दोराहा सरंपच शाहना पठान,अहमदपुर सरपंच आशीष अहिरवार, चरनाल सरपंच सुनिता साहू ने कहा कि पंचायत क्षेत्र सहित आसपास गर्मियों के दिनों में फसल में आगजनी की घटना होती है जिस से किसानों को काफी आर्थिक नुकसान होता है।

प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में आज किया जाएगा घृताधिवास और नित्य पूजन हवन

शिव महापुराण एक दिव्य ग्रंथ है जो मानव जाति को सुख और आनंद प्रदान करता-कथा वाचक पंडित चेतन उपाध्याय

सीहोर (निप्र)। शिव महापुराण में, ऋषि वेदव्यास ने भगवान शिव के स्वरूप को बताया है, जिसमें उनके कल्याणकारी स्वरूप, विभिन्न रूप, अवतार और ज्योतिर्लिंग शामिल हैं। शिव महापुराण एक दिव्य ग्रंथ है जो मानव जाति को सुख और आनंद प्रदान करता है। शिव-विवाह को जीवात्मा का परमात्मा, कामना का भावना और नदियों का सागर से मिलन है। उक्त विचार शहर के प्राचीन श्री हंसदास मठ, दशहरा बाग उमा शंकर धाम कालोनी के पास जारी सात दिवसीय संगीतमय श्री शिव महापुराण के तीसरे दिन कथा वाचक पंडित चेतन उपाध्याय ने कहे। श्री हंसदास मठ में स्फटिक श्री रिद्धेश्वर महादेव प्राण-प्रतिष्ठा सिद्ध श्री हनुमान महाराज की स्थापना का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव का आयोजन महंत श्री हरिरामदास महाराज के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। शिव महापुराण के अलावा शुक्रवार को ब्राह्मण बटुकों का वैदिक शास्त्रानुसार उपनयन संस्कार के अलावा प्रतिमाओं का पुष्पाधिवास, फलाधिवास, शंकराधिवास और अग्नि स्थापना का आयोजन किया। महंत श्री ने बताया कि शनिवार को प्रतिमाओं घृताधिवास, मिष्ठानाधिवास, पत्राधिवास और नित्य पूजन हवन किया जाएगा।

पंडित श्री उपाध्याय ने कहाकि मन अगर पवित्र तो शिव आपके हृदय में विराजमान हो जायेंगे इसलिए शिव की भक्ति के लिए मन की पवित्रता प्रथम आवश्यकता है। मन की पवित्रता अच्छी संगत से आती है इसलिए संतो की संगत को श्रेष्ठ माना गया है। सब देवताओं की शक्ति जब एकाकार हुई तब शक्ति स्वरूपा दुर्गा का आविर्भाव हुआ भारतीय संस्कृति में महिलाओं को शक्ति स्वरूपा दुर्गा रूप में स्वीकार किया गया है वही धन ऐश्वर्य की प्राप्ति भी लक्ष्मी विद्या की प्राप्ति सरस्वती से होती है ये सब नारी का स्वरूप है परंतु पाश्चात संस्कृति के प्रभाव में नारी के सम्मान और चरित्र की हानि हुई है, अब हम सभी की जिम्मेदारी है कि राष्ट्र में भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना की आवश्यकता है। शुक्रवार को पंडित श्री उपाध्याय ने भगवान शिव और सती की कथा का विस्तार से वर्णन किया। शिव एवं सती के विवाह के बारे में बताया की भगवान शिव के विवाह के बारे में पुराणों में वर्णन मिलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव ने सबसे पहले सती से विवाह किया था। भगवान शिव का यह विवाह बड़ी जटिल परिस्थितियों में हुआ था। सती के पिता दक्ष भगवान शिव से अपने पुत्री का विवाह नहीं करना चाहते थे लेकिन ब्रह्मा जी के कहने पर यह विवाह सम्पन्न हो गया। एक दिन राजा दक्ष ने भगवान शिव का अपमान कर दिया जिससे नाराज होकर माता सती ने यज्ञ में समाहित हो गई। इसके बाद भगवान शिव तपस्या में लीन हो गए। उधर माता सती ने हिमवान के यहां पार्वती के रूप में जन्म लिया।

10 मई को किया जाएगा अखंड रामायण पाठ का आयोजन

शिव-शक्ति दिव्य अनुष्ठान में किया देवी का विशेष श्रृंगार, हवन में दी आहुतियां

सीहोर (निप्र)। शहर के सीवन तट पर हनुमान मंदिर गोपालधाम में शिव प्रदोष सेवा समिति के तत्वाधान में एक माह तक आयोजित होने वाले शिव शक्ति दिव्य अनुष्ठान वैशाख महापर्व का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को यज्ञाचार्य पंडित पवन व्यास के मार्गदर्शन में पंडित कुणाल व्यास, मनोज दीक्षित मामा सहित अन्य ने सुबह भगवान शिव का अभिषेक किया गया और उसके पश्चात यहां पर स्थित मंदिर में विराजमान देवी का विशेष श्रृंगार किया गया। अब 10 मई को मंदिर परिसर में अनेक मानस मंडल और श्रद्धालुओं के द्वारा अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा और 12 मई को पूर्णाहुति और प्रसादी का वितरण किया जाएगा।

पंडित श्री व्यास ने सर्वप्रथम भगवान गणेश, मां सरस्वती, गुरु जन माता-पिता ईष्ट देव, पित्र देव सहित सभी देवी देवताओं का वंदन स्मरण करते हुए। सभी भक्तजनों पर करुणामई मां दुर्गा देवी का आशीर्वाद बना रहे, नौ दिनों तक आप सभी भक्तो ने इस देव दरबार में हर दिन माँ दुर्गा देवी की पूजा करते रहे। मां दुर्गा देवी के नौ रूपों के महत्व को समझने को मिला, सभी श्रद्धालुओं को अपने माता-पिता, बड़े बुजुर्गों ओर समाज के हर वर्ग का सम्मान करने की शिक्षा दी साथ ही बुराइयों से मोह तोड़ना है और सच्चाई के रास्ते पर चलने से ही जीवन सफल होगा।

श्रद्धा भक्ति सेवा समिति के तत्वाधान में जगद्गुरु शंकराचार्य का जन्मोत्सव आस्था और उत्साह के साथ मनाया

सीहोर (निप्र)। सनातन धर्म के उत्थान में आदिगुरु शंकराचार्य जी का महत्वपूर्ण स्थान है। केरल राज्य के कालड़ी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में आदि गुरु शंकराचार्य जी का जन्म हुआ था। अल्पायु सर्वज्ञ पुत्र या दीर्घायु सामान्य पुत्र। शिवगुरु ने अल्पायु सर्वज्ञ पुत्र का वर मांगा। इसके बाद वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को आदिगुरु शंकराचार्य जी का जन्म हुआ। सनातन धर्म को पहचान देने वाले जगदगुरु शंकराचार्य हम सभी की आस्था का केन्द्र है। उक्त विचार शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र में उनके जन्मोत्सव जयंती के अवसर पर मुख्य अतिथि केन्द्र के प्रभारी नटवर कुशवाहा ने कहे।हर साल की तरह इस साल भी शुक्रवार को श्रद्धा भक्ति सेवा समिति के तत्वाधान में शहर के संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र में जगद्गुरु शंकराचार्य का जन्मोत्सव आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया था। वक्ताओं ने कहकि आदिशंकराचार्य ने अपनी विद्वता, त्याग व समर्पण से सनातन धर्म का वैभव पूरी दुनिया में फैलाया था। आज आदि शंकराचार्य की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है।

बीएसआई मैदान पर टीम यामनी ने टीम प्रियांशी को सात विकेट से हराया

अंश यादव ने खेली 107 रन की विस्फोटक पारी

सीहोर (निप्र)। शहर के बीएसआई मैदान पर पीपीसीए के तत्वाधान में इंटर हाउस लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में शुक्रवार को एक मैच खेला गया। इसमें टीम यामनी ने टीम प्रियांशी को सात विकेट से हराया। इस मौके पर पीपीसीए अकादमी के कोच अतुल त्रिवेदी, चेतन मेवाड़ा और आदर्श राय ने टीम यामनी के विस्फोटक बल्लेबाज अंश यादव के मात्र 91 गेंद पर 107 रन की पारी के लिए मैन आफ द मैच प्रदान किया।

शुक्रवार की सुबह हुए इस मैच में टीम प्रियांशी ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। उन्होंने निर्धारित 40 ओवर में 10 विकेट खोकर 187 रन बनाए थे। इसमें विकास ने 22 रन, वरुण शुक्ला ने 77 गेंद पर 78 रन, अंशुल ने 12 रन और कुलदीप ने 13 रन की पारी खेली। इधर टीम यामनी की ओर से गेंदबाजी करते हुए निर्मल, तनिश्क, नैतिक गोहिया और जय जाटव ने दो-दो विकेट औ आशीष-केशव ने एक-एक विकेट हासिल किया। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम यामनी ने 27.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। इसमें अंश यादव ने नाट आउट 91 गेंद पर 107 रन, आदर्श राय ने 25 रन की पारी खेली। इसके अलावा राजेन्द्र गौर ने दो विकेट और अभिजीत ने एक विकेट हासिल किया। डीसीए के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शनिवार की सुबह टीम यामीन और अंजली के मध्य मैच खेला जाएगा।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज) जिला सीहोर (म.प्र.)

E-mail modgmseh@mp.gov.in

क्रमांक/2241/खनिज/2025, सीहोर, दिनांक 28/04/2025

मध्य प्रदेश गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री युगांशु आ. श्री रविन्द्र यादव निवासी 64 शिवलोक फेस 4 खजूरी कलां रोड बी सेक्टर पिपलानी भेल हुजूर भोपाल के द्वारा के द्वारा उत्खनिपटटा अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 36465 दिनांक 24.04.2025 को प्रस्तुत किये गये है। विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तिथी से 30 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथा स्थिति उत्खनिपट्टा अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला.	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
सीहोर	सीहोर	घबोटी	12/1(एस)	1.956 हे.	शासकीय भूमि	यांत्रिकी क्रिया से गिट्टी निर्माण हेतु पत्थर	सम्पूर्ण क्षेत्र आवेदन प्रस्तुत किया गया।
				कुल रकबा 1.956 हें.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इक्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथी तक (कार्यालयीन समय सांय 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सथी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुन: 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार नहीं किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

उप संचालक
(खनिज प्रशासन)
जिला-सीहोर (म.प्र.)

जी/12285/25

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com